# विश्व हिंदी समाचार

# Vishwa Hindi Samachaar

## विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस का त्रैमासिक सूचना-पत्र

वर्ष: 17 अंक: 61 मार्च, 2023


## विश्व हिंदी दिवस 2023

विश्व हिंदी दिवस 2023 के उपलक्ष्य में विश्व भर में हिंदी की अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस सहित भारत, सूडान, वेनेज़ुएला, न्यूज़ीलैंड, गुआंज़ू, बर्मिंघम, केलिफ़ोर्निया, घाना, कज़ाकिस्तान, अज़रबाइजान, श्री लंका, जर्मनी, नेपाल, यूक्रेन, ओमान, जापान, पोलैंड, आइसलैंड, सेशेल्स, फ़िजी, यू.के., कनाडा, ऑस्ट्रिया आदि देशों में हिंदी की धूम मची। विश्व हिंदी सचिवालय तथा उक्त देशों में विश्व हिंदी दिवस की गतिविधियों की रिपोर्ट इस अंक में पढ़ें।

*पृ. 3-5*

## विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस द्वारा विश्व हिंदी दिवस का आयोजन

10 जनवरी, 2023 को विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा विश्व हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मॉरीशस की उपप्रधान मंत्री, शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं तथा संसद की निजी सचिव, माननीया श्रीमती सुभाषिनी लछमन रॉय एवं भारतीय उच्चायोग के प्रतिनिधि एवं काउंसलर, श्री नवीन गुलाटी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। स्वीडन से प्रो. हाइंज़ वर्नर वेस्लर को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

*पृ. 2*

## 12वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन

15-17 फ़रवरी, 2023 को नादी, फ़िजी में 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय 'हिंदी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक' रखा गया था। तीन दिवसीय सम्मेलन के अंतर्गत उद्घाटन समारोह, समानांतर सत्र, लोकार्पण, सम्मान,समापन समारोह इत्यादि का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन के संदर्भ में अन्य विविध गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। विस्तृत रिपोर्ट इस अंक में प्रस्तुत है।

*पृ. 6-7*

**इस अंक में आगे पढ़ें :**


- *उत्सव, संगोष्ठी, आभासी कार्यक्रम, जयंती, परिसंवाद* — *पृ. 9-12*
- *लोकार्पण* — *पृ. 12-14*
- *सम्मान एवं पुरस्कार* — *पृ. 14-15*
- *संपादकीय* — *पृ. 16*


## विश्व हिंदी सचिवालय का 15वाँ आधिकारिक कार्यारम्भ दिवस

9 फ़रवरी, 2023 को विश्व हिंदी सचिवालय के 15वें आधिकारिक कार्यारम्भ दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री अलान गानू, भूमि, परिवहन और लाइट रेल मंत्री - विदेश मामले, क्षेत्रीय एकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महामहिम श्रीमती के. नंदिनी सिंग्ला, भारतीय उच्चायुक्त उपस्थित थीं। अतिथि वक्ता के रूप में प्रो. संजय कुमार, प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत को आमंत्रित किया गया था।

*पृ. 7-8*

## प्रवासी भारतीय दिवस 2023

8 से 10 जनवरी, 2023 तक इंदौर, भारत में 17वाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2023 का आयोजन किया गया। प्रवासी भारतीय दिवस 2023 का मुख्य विषय 'डायस्पोरा : अमृत काल में भारत की प्रगति के लिए विश्वसनीय भागीदार' रहा।

*पृ. 8-9*

## प्रो. रमेश पाठक की दो पुस्तकों का लोकार्पण

14 फ़रवरी, 2023 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना में प्रो. रमेश पाठक की दो पुस्तकों 'क्रौंच कृष्ण पक्षे' तथा 'मानस प्रिया बातें तेरी मेरी' तथा कवि-गोष्ठी का आयोजन किया गया।

*पृ. 13*

## 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफ़्को साहित्य सम्मान' समारोह

31 जनवरी, 2023 को जमशेदपुर के रवींद्र भवन सभागार में आयोजित 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफ़्को साहित्य सम्मान' समारोह के अंतर्गत वरिष्ठ कथाकार, जयनंदन को खेती-किसानी, ग्रामीण जनजीवन और ग्रामीण यथार्थ पर केन्द्रित उनके व्यापक साहित्यिक अवदान को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2022 का 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफ़्को साहित्य सम्मान' प्रदान किया गया।

*पृ. 14*

## श्रद्धांजलि

फ़रवरी-मार्च, 2023 में हिंदी जगत ने कई अनमोल रत्नों को खो दिया, जिनके जाने से शोक की लहर उठी। श्री राजुरकर राज, डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, श्री लक्ष्मीनारायण रंगा एवं डॉ. वेद प्रताप वैदिक के देहांत पर विश्व हिंदी सचिवालय पुण्यात्माओं के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

*पृ. 15*

ISSN 1694-2485

# विश्व हिंदी दिवस 2023

## विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा विश्व हिंदी दिवस का आयोजन

10 जनवरी, 2023 को विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्व हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मॉरीशस की उपप्रधान मंत्री, शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। साथ ही, संसद की निजी सचिव, माननीया श्रीमती सुभाषिनी लछमन रॉय एवं भारतीय उच्चायोग के प्रतिनिधि एवं काउंसलर, श्री नवीन गुलाटी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस वर्ष भाषा-विज्ञान एवं दर्शन विभाग, उप्साला विश्वविद्यालय, स्वीडन से प्रो. हाइंज़ वर्नर वेस्लर को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन ने अपने संदेश में कहा *"इस बात में कोई संदेह नहीं कि हिंदी की कीर्ति स्थापित हो चुकी है। आज वह संचार की एक प्रबल साधन होने के साथ-साथ धर्म, संस्कृति, दर्शन, साहित्य, कला, ज्ञान-विज्ञान, मनोरंजन, अनुसंधान का सशक्त आधार भी बन चुकी है। मॉरीशस में भी हम कहते नहीं थकते कि हिंदी चटाई से निकलकर आज विश्वविद्यालय तक पहुँच गई है।"*

श्री नवीन गुलाटी ने भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का संदेश सुनाया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि *"आप सबके प्रेम और स्नेह से हिंदी सिंचित, पुष्पित, पल्लवित हो रही है और अपने लक्ष्य की ओर जिस तेज़ी से बढ़ रही है, उससे हमारी आशा और अधिक बलवती होती जा रही है।"*

अतिथि वक्ता प्रो. हाइंज़ वर्नर वेस्लर ने 'विश्व भाषा हिंदी की चुनौतियाँ - स्वीडन के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। प्रो. वेस्लर ने अपने वक्तव्य में स्वीडन के भूगोल के बारे में जानकारी देते हुए स्वीडन और स्कैंडिनेविया में हिंदी अध्ययन-अध्यापन पर चर्चा की। उन्होंने विश्वभाषा हिंदी की चुनौतियों पर बात की और हिंदी शिक्षण को लेकर अपने अनुभव भी साझा किए।

अपने स्वागत-संदेश में विश्व हिंदी सचिवालय की उपमहासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने विशिष्ट अतिथियों का विशेष स्वागत किया। साथ ही, उन्होंने विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम के आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा *"हिंदी सबको जोड़ने वाली भाषा है, ज्ञान की वृद्धि करने वाली भाषा है, बुद्धि को प्रकाशित करने वाली भाषा है, चरित्र का निर्माण करने वाली भाषा है।"*

### विश्व हिंदी पत्रिका 2022 का लोकार्पण

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर विश्व हिंदी सचिवालय की वार्षिक शोध पत्रिका विश्व हिंदी पत्रिका के 14वें अंक का लोकार्पण किया गया। पत्रिका की प्रतियाँ - https://patrikayan.vishwahindi.com/ पर उपलब्ध हैं।

### अंतर्राष्ट्रीय लेखन प्रतियोगिता : पुरस्कार-वितरण-समारोह

विश्व हिंदी दिवस 2023 के उपलक्ष्य में सचिवालय ने वर्ष 2022 में 'अंतर्राष्ट्रीय लेखन प्रतियोगिता 2022 : एक प्रमुख हिंदी लेखक के साथ साक्षात्कार' का आयोजन किया था। समारोह में मॉरीशस के तीन विजेताओं (प्रथम स्थान - डॉ. सोमदत्त काशीनाथ), (द्वितीय स्थान - श्रीमती श्रीति रामफल), (तृतीय स्थान - सुश्री प्रेरणा आर्यनायक) को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र भेंट किए गए। प्रतियोगिता का परिणाम सचिवालय की वेबसाइट www.vishwahindi.com पर उपलब्ध है।

### सांस्कृतिक कार्यक्रम

इस अवसर पर महात्मा गांधी संस्थान के संगीत कलाकारों तथा नृत्य कलाकारों ने कनाडा के लेखक श्री रत्नाकर नराले कृत दोहों की सुंदर प्रस्तुति की। 'अभिनय रस संगम' के कालाकारों ने यू.के. के लेखक श्री प्राण शर्मा द्वारा रचित नाटिका 'महाकवि' को प्रस्तुत किया। 'वाक्वा रंग भूमि कला मंदिर' के कलाकारों ने न्यूज़ीलैंड की लेखिका श्रीमती सुनीता नारायण की 'यादें' एकांकी का मंचन किया। संगीत श्रुति सरिता एवं महात्मा गांधी संस्थान के कलाकारों ने ऑस्ट्रेलिया के लेखक डॉ. कौशल किशोर श्रीवास्तव की कविता 'वैश्विक भगवान की खोज' को दर्शकों के सामने रखा। 'अनंता नवरंग आर्ट्स एसोसिएशन' के कलाकारों ने अमेरिकी लेखक श्री अनुराग शर्मा की लघुनाटिका 'मानस की जात' पर सुंदर अभिनय किया। कला एवं सांस्कृतिक धरोहर मंत्रालय की कला अधिकारी श्रीमती निशा पतिया-बाबाजी, सुश्री विश्वानी बिहारी एवं सुश्री नेहा लछुमन ने कलाकारों के अभिनय को सँवारने में अहम भूमिका निभाई।

वरिष्ठ सहायक संपादक श्री प्रकाश वीर एवं अनुसंधान एवं विकास सहायक डॉ. सोमदत्त काशीनाथ ने मंच-संचालन एवं धन्यवाद-ज्ञापन किया।

### विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला

11 जनवरी, 2023 को विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विश्व हिंदी सचिवालय ने 'उच्च प्राथमिक स्तर पर हिंदी व्याकरण का शिक्षण' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

इस अवसर पर उपमहासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने स्वागत-संदेश दिया। शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की प्राथमिक शिक्षा की निदेशिका, श्रीमती अनीता घूरा ने कार्यशाला के लाभों पर बल देते हुए शिक्षकों को प्रोत्साहित किया कि इस कार्यशाला से गृहीत ज्ञान का प्रयोग वे अपने विद्यार्थियों के साथ करें। शिक्षा मंत्रालय के स्थायी सचिव, श्री युधिष्ठिर मनबोध ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्हें कार्यशाला का भरपूर लाभ उठाने का सुझाव दिया।

अतिथि वक्ता प्रो. हाइंज़ वर्नर वेस्लर ने कार्यशाला का संचालन किया।

इस कार्यशाला का लक्ष्य था उच्च प्राथमिक स्तर पर हिंदी व्याकरण के शिक्षण को सहज बनाना। कार्यशाला को चार सत्रों में विभाजित किया गया, जिसके अंतर्गत 'संज्ञाओं, सर्वनामों, क्रियाओं, विशेषणों, क्रिया-विशेषणों तथा वाक्य-संरचना के शिक्षण पर गहन चर्चा हुई। प्रत्येक सत्र में कार्य-सत्र भी चला, जिसके अंतर्गत शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने अनुभव भी साझा किए।

*विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट*

# भारत में विश्व हिंदी दिवस 2023 का आयोजन

## दिल्ली

11 जनवरी, 2023 को हिंदी साहित्य सभा श्री राम कॉलिज ऑफ़ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संभाषण प्रतियोगिता तथा व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आशीष कंधवे रहे। इस संभाषण प्रतियोगिता में अनेक महाविद्यालयों के विभिन्न विभागों से छात्र-छात्राओं ने 'हिंदी की वैश्विक स्थिति और राष्ट्रीय एकता में हिंदी की भूमिका' जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। श्री राम कॉलिज ऑफ़ कॉमर्स के हिंदी साहित्य सभा की अध्यक्षा, सुश्री कल्पना ने आभार-ज्ञापन किया।

***डॉ. आशीष कंधवे के फ़ेसबुक पृष्ठ से साभार***

## हैदराबाद

21 जनवरी, 2023 को मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मि.धा.नि.), हैदराबाद में भव्य रूप से विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 'मातृभाषा और राष्ट्रभाषा के प्रसार में परिवार की भूमिका' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। हिंदी की वरिष्ठ साहित्यकार एवं सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. अहिल्या मिश्र मुख्य अतिथि रहीं, जिन्होंने देश-विदेश में हिंदी के प्रचार-प्रसार में रामायण और हिंदी फ़िल्मों की भूमिका को रेखांकित किया। विशेष व्याख्यान के साथ अंत्याक्षरी प्रतियोगिता और बच्चों के लिए सांस्कृतिक नृत्य, कविता-पाठ, हिंदी फ़िल्मों पर नृत्य व गायन प्रतियोगिताओं और पुरस्कार-वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन उद्यम के उपप्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने किया।

***साभार : तेलंगाना समाचार.ऑनलाइन***

## इंदौर

10 जनवरी, 2023 को कॉलिज ऑफ़ प्रोफ़ेशनल स्टडीज़, इंदौर में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कविता, भाषण तथा उद्बोधन द्वारा अपने विचार प्रकट किए। कॉलिज के निदेशक, डॉ. सुमीत खुराना इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

***साभार: कॉलिज ऑफ़ प्रोफ़ेशनल स्टडीज़ की वेबसाइट***

## पटना

10 जनवरी, 2023 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि, नागालैंड के पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार रहे। उन्होंने बिहार के बीस विदुषियों और विद्वानों को 'हिंदी-रत्न' से विभूषित किया, जिनमें वरिष्ठ लेखक, डॉ. विनोद कुमार मंगलम, वीरेंद्र कुमार यादव, डॉ. शशि भूषण सिंह, डॉ. श्याम शरण, डॉ. विनय कुमार शर्मा, प्रेम कुमार वर्मा, डॉ. सुषमा कुमारी, कुसुम सिंह सुनैना, डॉ. नीलू अग्रवाल, नवीन प्रसाद शर्मा, श्रुत कीर्ति अग्रवाल, अरविन्द कुमार सिंह, देवेंद्र कुमार, शशि भूषण कुमार, ज्ञानेश्वर शर्मा, अंकेश कुमार, नीरव समदर्शी, अश्मजा प्रियदर्शिनी, सीमा कुमारी और अमित कुमार मिश्र के नाम सम्मिलित हैं। साथ ही, सम्मेलन की पत्रिका का लोकार्पण न्यायमूर्ति संजय कुमार के हाथों संपन्न हुआ। मंच का संचालन प्रो. सुशील कुमार झा ने किया तथा डॉ. मधु वर्मा ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

***साभार : भास्कर.कॉम***

## रामांगुडम

10 जनवरी, 2023 को रामांगुडम में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्री सुनील कुमार ने हिंदी भाषा की शक्ति को रेखांकित किया और कहा *"हिंदी में भारतीय संस्कृति, दर्शन एवं आदर्श जीवनशैली है।"* मुख्य अतिथि हिंदी के वरिष्ठ साहित्यकार व कवि, डॉ. रवींद्र शुक्ला ने हिंदी भाषा के महात्म्य का वर्णन किया। इस अवसर पर प्रकाशित ई-पत्रिका विशेषांक के रचनाकारों को पुरस्कृत किया गया।

***साभार : हिंदी मिलाप समाचार-पत्र***

## शिलांग, मेघालय

10 से 16 जनवरी, 2023 तक उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एन. ई-सैक) में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में विश्व हिंदी सप्ताह मनाया गया, जिसके अंतर्गत रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता, हिंदी कविता-पाठ प्रतियोगिता और 'तस्वीर क्या बोलती है' विषयक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही, प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन श्रीमती नमिता रानी पाल मित्रा, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी और सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, एन.ई-सैक द्वारा धन्यवाद-ज्ञापन के साथ हुआ।

***साभार : उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केंद्र की वेबसाइट***

# विश्व भर में विश्व हिंदी दिवस 2023 का आयोजन

## खार्तूम, सूडान

14 जनवरी, 2023 को भारतीय दूतावास, खार्तूम द्वारा विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का संदेश पढ़ा गया। कार्यक्रम में हिंदी कविता-पाठ, हिंदी गीत का गायन, भाषण और हिंदी भाषा पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी हुआ। पोस्टर मेकिंग और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन किया गया था। इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और प्रदर्शनकर्ताओं को भी पुरस्कार दिए गए।

भारतीय प्रवासियों के प्रमुख सदस्यों, हिंदी प्रेमियों, फ्रेंड्स ऑफ़ इंडिया, दूतावास के कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

***साभार : भारतीय दूतावास, खार्तूम, सूडान की वेबसाइट***

## कराकास, वेनेज़ुएला

10 जनवरी, 2023 को भारतीय राजदूतावास, कराकास, वेनेज़ुएला द्वारा विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजदूत महामहिम श्री अभिषेक सिंह ने सभा को संबोधित किया और भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संदेश को पढ़ा। राजदूत ने वेनेज़ुएला में हिंदी भाषा के छात्रों को आश्वासन दिया कि दूतावास हिंदी सीखने में उनकी पूरी सहायता करेगा।

***साभार : भारतीय दूतावास, कराकास, वेनेज़ुएला की वेबसाइट***

## न्यूज़ीलैंड

10 जनवरी, 2023 को भारतीय उच्चायोग, न्यूज़ीलैंड द्वारा विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय उच्चायोग द्वारा डॉ. सुनीता शर्मा कृत हिंदी पुस्तक 'चिर प्रतीक्षित' का लोकार्पण किया गया।

***साभार : भारतीय उच्चायोग, वेलिंग्टन, न्यूज़ीलैंड की वेबसाइट***

## गुआंगज़ू

29 मार्च, 2023 को भारत के महावाणिज्य दूतावास, गुआंगज़ू ने दूतावास के परिसर में विश्व हिंदी दिवस 2023 समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ग्वांगडोंग युनिवर्सिटी ऑफ़ फ़ॉरेन स्टडीज़ के हिंदी विभाग और शेन्ज़ेन विश्वविद्यालय के सेंटर फ़ॉर इंडियन स्टडीज़ के छात्रों की भागीदारी देखी गई। इस अवसर पर महावाणिज्यदूत महामहिम श्री शंभु हक्की ने सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में ग्वांगडोंग युनिवर्सिटी ऑफ़ फ़ॉरेन स्टडीज़ के हिंदी विभाग के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन और कविता-पाठ हुआ। कार्यक्रम के दौरान शेन्ज़ेन विश्वविद्यालय के भारतीय अध्ययन केंद्र के प्रोफ़ेसर और छात्रों ने हिंदी गीतों की संगीतमय प्रस्तुति भी दी। इस अवसर पर 'हिंदी गीत गायन प्रतियोगिता' के विजेताओं ने कार्यक्रम के दौरान हिंदी गीतों पर प्रस्तुतियाँ कीं। विश्व हिंदी दिवस के संदर्भ में भारत के महावाणिज्य दूतावास, गुआंगज़ू ने ग्वांगडोंग युनिवर्सिटी ऑफ़ फ़ॉरेन स्टडीज़ के हिंदी विभाग के छात्रों और भारत के मित्रों को हिंदी गाने सिखाने के लिए एक कार्यशाला का भी आयोजन किया था।

***साभार : भारतीय महावाणिज्य दूतावास, गुआंगज़ू की वेबसाइट***

## बर्मिंघम

13 जनवरी, 2023 को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय कौंसुलेट जनरल बर्मिंघम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी का संदेश अतिथियों के समक्ष पढ़ा गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। विश्व हिंदी दिवस हर साल दुनिया भर में हिंदी के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रधान मंत्री जी के संदेश को पढ़ने के साथ-साथ प्रवासी भारतीयों के भाषण, सांस्कृतिक नृत्य एवं हिंदी प्रेमियों का सम्मान किया गया।

***साभार : भारतीय प्रधान कौंसुलावास, बर्मिंघम की वेबसाइट***

## सैन फ़्रांसिस्को, केलिफ़ोर्निया

14 जनवरी, 2023 को 'हमारी भाषा हिंदी' के सहयोग से भारत के वाणिज्य दूतावास, सैन फ़्रांसिस्को द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिंदी ज्ञान कहूत प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता तीन आयु समूहों/श्रेणियों में आयोजित की गई और प्रत्येक समूह/श्रेणी से तीन विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

***साभार : भारतीय वाणिज्य दूतावास, सैन फ़्रांसिस्को की वेबसाइट***

## आक्रा, घाना

भारतीय उच्चायोग, आक्रा द्वारा विश्व हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय उच्चायुक्त ने भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़ा। विश्व हिंदी दिवस के संदर्भ में निबंध प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नोत्तरी एवं हिंदी कविता-पाठ का आयोजन किया गया। विश्व हिंदी दिवस समारोह के अंतर्गत प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

***साभार : भारतीय उच्चायोग, आक्रा की वेबसाइट***

## अस्ताना, कज़ाकिस्तान

10 जनवरी, 2023 को हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, अस्ताना में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इसके अंतर्गत कज़ाख कलाकारों ने हिंदी गीत-गायन तथा भारतीय नृत्य प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में दूतावास के सभी अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

***साभार : भारतीय दूतावास, अस्ताना का फ़ेसबुक पृष्ठ***

## अज़रबाइजान

10 जनवरी, 2023 को प्रीमियर पैलेस होटल, बाकू में भारतीय दूतावास, बाकू, अज़रबाइजान द्वारा विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षार्थी और शिक्षक, अज़रबाइजान विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि, भारतीय इतिहास और संस्कृति के स्थानीय प्रेमी, भारतीय प्रवासी सदस्य और अज़रबाइजान में भारतीय छात्र तथा पत्रकारों के प्रमुख प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में भारतीय और अज़रबाइजानी बच्चों और वयस्कों द्वारा हिंदी पर भाषण और हिंदी में कविता-पाठ किया गया। साथ ही, भारतीय संगीत के साथ हिंदी गीतों और नृत्यों का प्रदर्शन भी किया गया। तत्पश्चात्, बाकू के भारत प्रभारी, श्री विनय कुमार द्वारा हिंदी में नृत्य, गीत प्रदर्शन, कविता-पाठ के साथ-साथ हिंदी निबंध प्रतियोगिता और ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

***साभार : रिपोर्ट न्यूज़ एजेंसी की वेबसाइट***

## हंबन्टोटा, श्री लंका

16 जनवरी, 2023 को हंबन्टोटा, श्री लंका के भारतीय महावाणिज्यदूतावास ने दक्षिणी प्रांत और मोनारागला ज़िले में हिंदी प्रेमियों की उपस्थिति में विश्व हिंदी दिवस मनाया। समारोह को चिह्नित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और इस अवसर पर प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ा गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

***साभार : भारतीय महावाणिज्यदूतावास, हंबन्टोटा, श्री लंका का फ़ेसबुक पृष्ठ***

## हैम्बर्ग, जर्मनी

13 जनवरी, 2023 को भारतीय दूतावास, जर्मनी के तत्त्वावधान में भारत-विद्या विभाग, हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान, कविता-पाठ, 'यूरोप में भारत-विद्या एवं हिंदी' विषय पर व्याख्यान, भारतीय शास्त्रीय नृत्य, प्रश्नोत्तरी, भांगड़ा नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ हुईं, जिनमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

***साभार : डॉ. राम प्रसाद भट्ट का फ़ेसबुक पृष्ठ***

## काठमांडू, नेपाल

10 जनवरी, 2023 को भारतीय राजदूतावास, काठमांडू और त्रिभुवन विश्वविद्यालय के केंद्रीय हिंदी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से दूतावास में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। हिंदी मंच नेपाल के सांसद एवं अध्यक्ष, श्री मंगल प्रसाद गुप्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। अपने संबोधन में उन्होंने वैश्विक स्तर पर हिंदी के महत्त्व और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत काठमांडू के विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए हिंदी कविता-पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' विषय पर प्रभावशाली कविता-पाठ किया। इस अवसर पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एम.ए. के छात्रों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में नेपाल-भारत कवि-सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित भाषाविद्, डॉ. विमलेश कांति वर्मा, नेपाल के वरिष्ठ हिंदी साहित्यकार एवं विद्वान, श्री गंगा प्रसाद अकेला एवं डॉ. राम दयाल राकेश विशिष्ट अतिथि थे।

***साभार : भारतीय दूतावास, काठमांडू का फ़ेसबुक पृष्ठ***

## कीव, यूक्रेन

10 जनवरी, 2023 को भारतीय दूतावास, कीव, यूक्रेन के परिसर में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। तारास शेवचेंको विश्वविद्यालय एवं कीव राष्ट्रीय भाषाई विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों/ शिक्षकों, छात्रों, भारतीय समुदाय के सदस्यों और यूक्रेन में हिंदी प्रेमियों ने समारोह में भाग लिया। विश्वविद्यालय के छात्रों हेतु कविता-पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा शिक्षकों ने भी कविता-पाठ किया। प्रभारी राजदूत, श्री पंकज शर्मा ने सभा को संबोधित किया और माननीय प्रधानमंत्री जी के संदेश को पढ़ा।

***साभार : भारतीय दूतावास, कीव, यूक्रेन का फ़ेसबुक पृष्ठ***

## मस्कत, ओमान

14 जनवरी, 2023 को भारतीय दूतावास, मस्कत, ओमान ने विश्व हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में 16 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने इस अवसर पर स्किट, नाटक और सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किए, जिनमें विभिन्न देशों में हिंदी के महत्त्व और इसके उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर राजदूत ने छात्रों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए और उन्हें हिंदी भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। राजदूत ने अपने संबोधन में मुहावरों के माध्यम से हिंदी भाषा की सहजता, सुलभता एवं महत्त्व समझाते हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

***संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट से साभार***

## ओसाका, जापान

7 फ़रवरी, 2023 को ओसाका विश्वविद्यालय के हिंदी प्रभाग में भारत के प्रधान कौंसलावास, ओसाका, कोबे द्वारा भव्य रूप से विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 'ज्वालामुखी' पत्रिका के पुस्तक संस्करण का लोकार्पण किया गया और छात्रों द्वारा बॉलीवुड गीत-गायन भी हुआ।

***साभार : भारतीय महवाणिज्यदूतावास, ओसाका का फ़ेसबुक पृष्ठ***

## पोलैंड

29 मार्च, 2023 को पॉन्ज़ान, पोलैंड में इंडोलॉजी यू.ए.एम. ने भारतीय गणराज्य के दूतावास के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्व हिंदी दिवस उत्सव का आयोजन किया। भारतीय वाणिज्यदूत एस. के. रे ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और उन्हें विश्व हिंदी दिवस के इतिहास से अवगत कराया। पॉन्ज़ान और व्रोक्लाव के छात्रों ने हिंदी में कविता तथा कहानी-पाठ किया। दर्शकों को शास्त्रीय भारतीय संगीत गायन, शास्त्रीय भारतीय नृत्य और बॉलीवुड कोरियोग्राफ़ी देखने का अवसर भी मिला।

***साभार : हिंदी फ़ॉर यू.वेब***

## रेक्जाविक, आइसलैंड

27 जनवरी, 2023 को भारतीय दूतावास, रेक्जाविक, आइसलैंड में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। राजदूत, श्री बी. श्याम ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़ा और हिंदी भाषा को बढ़ावा देने का प्रोत्साहन दिया। इस कार्यक्रम में भारतीय प्रवासियों तथा आइसलैंड विश्वविद्यालय के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ऑनलाइन हिंदी निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

***भारतीय दूतावास, रेक्जाविक, आइसलैंड की वेबसाइट से साभार***

## सेशेल्स

10 जनवरी, 2023 को भारतीय उच्चायोग, विक्टोरिया, सेशेल्स में भव्य रूप से विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हिंदी कविता-पाठ प्रतियोगिता (कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग) और हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में भारतीय डायस्पोरा के सदस्यों ने भाग लिया।

***साभार : भारतीय उच्चायोग, सेशेल्स का फ़ेसबुक पृष्ठ***

## सुवा, फ़िजी

10 जनवरी, 2023 को सुवा सिविक सेंटर में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। फ़िजी में भारतीय उच्चायुक्त, श्री पी. एस. कैथीगेयन ने विश्व भर में हिंदी के महत्त्व को रेखांकित किया। साथ ही, विश्व हिंदी सम्मेलन के प्रचार का शुभारम्भ भी किया गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा नृत्य, गीत एवं नाटक प्रस्तुति हुई।

***साभार : भारतीय उच्चायोग, सुवा, फ़िजी का फ़ेसबुक पृष्ठ***

## यू.के.

13 जनवरी, 2023 को नेहरू सेंटर, लंदन में भारतीय ग्रुप 'संगम' तथा भारतीय उच्चायोग, लंदन ने संयुक्त रूप से विश्व हिंदी दिवस मनाया। इस अवसर पर हिंदी कवि-सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठित हिंदी प्रेमियों व कवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री आशीष मिश्रा ने मंच-संचालन किया। इंदु बारोट, शिखा वार्ष्णेय, ऋचा जैन, तिथि दानी, निखिल कौशिक, ज्ञान शर्मा और आशुतोष कुमार ने अपनी सुंदर हिंदी कविताओं से दर्शकों का मनोरंजन किया।

***साभार : भारतीय उच्चायोग, यू.के. का फ़ेसबुक पृष्ठ***

## वैंकूवर, कनाडा

17 जनवरी, 2023 को फ़्रेजरव्यू बैंक्वेट हॉल, वैंकूवर में भारतीय महावाणिज्यदूतावास (सी. जी.आई.), वैंकूवर द्वारा विभिन्न स्थानीय भारतीय सामुदायिक संगठनों के सहयोग से विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। समारोह में विभिन्न संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले कवियों द्वारा कविता-पाठ और कई नृत्य प्रस्तुतियाँ सम्मिलित थीं।

***ए.टी.आई., वैंकूवर की वेबसाइट से साभार***

## विएना, ऑस्ट्रिया

10 जनवरी, 2023 को भारतीय दूतावास, विएना, ऑस्ट्रिया में विश्व हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों और वयस्कों ने कविता-पाठ, लोकप्रिय नाटकों का मंचन, देशभक्ति गीत-गायन, कबीर के दोहों का पाठ किया। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही, भारत के माननीय प्रधानमंत्री का विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में संदेश भी पढ़ा गया।

***साभार : भारतीय दूतावास, विएना, ऑस्ट्रिया का फ़ेसबुक पृष्ठ***

# 12वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन

15-17 फ़रवरी, 2023 को नादी, फ़िजी में 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय 'हिंदी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक' रखा गया था।

## उद्घाटन समारोह

15 फ़रवरी, 2023 को विश्व हिंदी सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ फ़िजी गणराज्य के मुख्य नगर नादी के देनाराउ आइलैंड कन्वेंशन सेंटर में हुआ। उद्घाटन समारोह भारत तथा फ़िजी के राष्ट्रगानों से शुरू हुआ। तत्पश्चात् दीप-प्रज्वलन हुआ तथा वैदिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। फ़िजी के कलाकारों ने नैसर्गिक शक्तियों का पारंपरिक आह्वान कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें विश्व को सुख-शांति देने की प्रार्थना की गई।

फ़िजी गणराज्य के राष्ट्रपति, महामहिम श्री रातू विलियम कटोनिवेरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा *"आधुनिक फ़िजी के निर्माण में भारतवंशियों का बहुत योगदान है। हिंदी भाषा की सांस्कृतिक जड़ें फ़िजी में ज़िंदा हैं।"* उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन से हिंदी भाषा के संरक्षण में मदद मिलेगी।

भारत के विदेश मंत्री, माननीय डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि *"विश्व हिंदी सम्मेलन जैसे आयोजनों में स्वाभाविक है कि हमारा ध्यान हिंदी भाषा के विभिन्न पहलुओं, उसके वैश्विक उपयोग और प्रचार-प्रसार पर रहे। हम फ़िजी, प्रशांत क्षेत्र तथा गिरमिटिया देशों में हिंदी की स्थिति, सूचना प्रौद्योगिकी, सिनेमा और साहित्य के हिंदी पर प्रभाव जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे।"* उन्होंने इस आयोजन के लिए फ़िजी गणराज्य की सरकार के प्रयत्नों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

उद्घाटन समारोह की प्रस्ताविकी में भारत के विदेश राज्यमंत्री, माननीय श्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि फ़िजी हिंदी के लिए उर्वर भूमि है। उन्होंने घोषणा की कि भारत सरकार फ़िजी में भाषा प्रयोगशाला की स्थापना करेगी, जो यहाँ के हिंदी प्रेमियों के लिए उपहार होगा।

भारत के गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री अजय कुमार मिश्र ने कहा कि भारत सरकार भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए सतत तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हिंदी भाषा के माध्यम से भारत की संस्कृति पूरे विश्व में लगातार फल-फूल रही है।

फ़िजी के शिक्षा मंत्री, माननीय श्री असेरी रेड्रोड्रो ने स्वागत वक्तव्य में कहा कि उनकी सरकार ने हिंदी भाषा को बहुत महत्त्व दिया है।

समारोह में एक विशेष डाक टिकट जारी किया गया। इस अवसर पर 'विश्व हिंदी सम्मेलन स्मारिका', 'फ़िजी का हिंदी साहित्य - एक संचयन', 'विश्व हिंदी साहित्य', 'राजभाषा भारती', 'गगनांचल' एवं 'आरंभिका' के विशेषांकों का लोकार्पण किया गया।

उद्घाटन समारोह का संचालन प्रो. अनुराधा पाण्डेय और डॉ. अलका सिन्हा ने किया। शिक्षा मंत्रालय, फ़िजी के कार्यकारी स्थायी सचिव, श्री तिमोकी वुरे ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

## समानांतर सत्र

15 फ़रवरी, 2023 को सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के पश्चात् क्रमशः 'हिंदी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक' विषय पर संयुक्त सत्र, 'गिरमिटिया देशों में हिंदी' और 'फ़िजी और प्रशांत क्षेत्र में हिंदी' विषयों पर समानांतर सत्र तथा 'सूचना प्रौद्योगिकी और 21वीं सदी की हिंदी' और 'मीडिया और हिंदी का विश्व बोध' विषय पर समानांतर सत्रों का आयोजन किया गया था। रात को भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।

16 फ़रवरी, 2023 को क्रमशः 'भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक संदर्भ और हिंदी' और 'भाषाई समन्वय और हिंदी अनुवाद' विषयों पर समानांतर सत्र, 'हिंदी सिनेमा के विविध रूप : वैश्विक परिदृश्य' और 'विश्व बाज़ार और हिंदी' विषयों पर समानांतर सत्र तथा 'बदलते परिदृश्य में प्रवासी हिंदी साहित्य' और राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित 'देश-विदेश में हिंदी शिक्षण : चुनौतियाँ और समाधान' विषयों पर समानांतर सत्र चले। रात्री में सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम चला।

## समापन समारोह

17 फ़रवरी, 2023 को समापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और स्वीकृति दी गई। भारत के विदेश राज्यमंत्री, माननीय श्री वी. मुरलीधरन ने तीन दिनों के सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

**प्रस्ताव :**

- इस सम्मेलन से नए दायित्व को ग्रहण करने की प्रतिबद्धता के साथ यहाँ से लौटना चाहिए। हम सभी को अपनी भाषा के प्रति अपने दायित्व को स्वयं निर्धारित करके जाने की ज़रूरत है, क्योंकि हम सब हज़ारों मील की यात्रा करके यहाँ पहुँचे।
- हिंदी बोलने, जानने व उसके प्रति अनुराग रखने वाले विश्व के सभी नागरिकों के बीच हिंदी को संपर्क-संवाद की भाषा के रूप में विकसित करने के लिए नियमित अंतराल पर आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलनों के क्रम में 15 फ़रवरी, 2023 - 17 फ़रवरी, 2023 के मध्य प्रशांत क्षेत्र के फ़िजी देश के नादी नगर में समायोजित हो रहा यह 12वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन एक सफल और परिणामकारी सम्मेलन सिद्ध हुआ है।
- 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन में सम्मिलित भारत और फ़िजी सहित विश्व के अन्य देशों के सभी प्रतिनिधियों का यह सम्वेत अभिमत है कि भारतीय ज्ञान परंपरा और अन्य पारम्परिक ज्ञान प्रणालियों को कृत्रिम मेधा जैसे अधुनातन सूचना, ज्ञान एवं अनुसंधान की तकनीक का हिंदी के माध्यम से प्रयोग करते हुए विश्व की बहुत बड़ी जनसंख्या तक पहुँचाया जा सकता है।
- प्रतिस्पर्धा और प्रतियोगिता पर आधारित विश्व व्यवस्था को सहकार, समावेश और सहअस्तित्व पर आधारित वैज्ञानिक सभ्यता, दृष्टि प्रदान करने में हिंदी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती है। इस अभिमत के साथ 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन का स्पष्ट मत यह भी है कि 'वसुधैव कुटुम्ब बकम्' का परिवार भाव और अंतर्राष्ट्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति का विश्व बाज़ार 'सर्वे भवंतु सुखिन:' की सभ्यता दृष्टि पर निर्मित किया जा सकता है।
- विश्व के लगभग सभी महाद्वीपों में प्रवासी भारतवंशियों ने अपने कठोर परिश्रम से प्रवासन वाले देशों के प्रति निष्ठा के साथ एक विशिष्ट विश्व व्यवस्था की निर्मिती में अप्रतिम योगदान दिया है। भाषा, ज्ञान-परंपरा और संस्कृति दृष्टि को विश्वव्यापी बनाने में

गिरमिटिया जन की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनके द्वारा आज भी फ़िजी सहित विश्व के विविध देशों में रामकथा व भजन मंडलियों की जीवंत परंपरा से अपनी प्रासंगिक भूमिका का निर्वहन किया जा रहा है। सूचना-प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा जैसी अधुनातन ज्ञान-प्रणालियों का समुचित उपयोग करते हुए हिंदी मीडिया, सिनेमा और जन-संचार के विविध नए माध्यमों में हिंदी को विश्व भाषा के रूप में विस्तारित करने की संभावनाओं के नव द्वार खोले हैं। सम्पूर्ण विश्व के समक्ष उपस्थित 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए विश्व की महत्त्वपूर्ण भाषाओं में से अनन्यतम् हिंदी सार्थक परिणामकारी और अपनी अपेक्षित भूमिका का निर्वहन कर सके, इस हेतु हिंदी में प्रवासी साहित्य को विश्वव्यापी बनने और विश्व की अन्य संस्कृतियों के श्रेष्ठतर मूल्यों का हिंदी में समावेश करने के लिए अनुवाद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए कृत्रिम मेधा, मशीनी अनुवाद और अनुवाद की पारम्परिक प्रविधियों के विविध पर्यायों का सामंजस्यपूर्ण अनुप्रयोग आवश्यक है।

- 12वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने, उसकी भाषिक क्षमता की विभिन्न ज्ञानानुशासनों में उपयोग करने के लिए हिंदी-शिक्षण में अधुनातन शिक्षण-प्रणाली और संसाधनों का प्रयोग प्रभावकारी विधि से किए जाने की आवश्यकता का अनुभव कर रहा है।

- विश्व सभ्यता को हिंदी की क्षमताओं का समुचित सहकार प्राप्त हो, इसके लिए यह सम्मेलन विश्व हिंदी सचिवालय को बहुराष्ट्रीय संस्था के रूप में विकसित करने तथा प्रशांत क्षेत्र सहित विश्व के अन्य भागों में इसके क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता का भी अनुभव कर रहा है।

- इस बार 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन ने यह अनुभव किया है कि वैश्विक स्तर पर उपयुक्त भूमिका का निर्वहन केवल सरकारों का ही दायित्व नहीं है, अपितु इसके लिए विश्व के समस्त हिंदी सेवी एवं समस्त जन को सामूहिक यत्न करते हुए श्रेष्ठ एवं सुखमय विश्व के निर्माण में अपनी योग्य भूमिका का निर्वहन सुनिश्चित करना होगा।

फ़िजी गणराज्य के उप प्रधानमंत्री, माननीय प्रो. बिमन प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि *"हमारे देश के लिए, फ़िजी के लिए, हम सभी हिंदी प्रेमियों के लिए यह विश्व हिंदी सम्मेलन बहुत ही ऐतिहासिक है। आज मैं अपने पूर्वजों को याद करता हूँ, क्योंकि जब वे भारत से फ़िजी गिरमिट प्रथा के तहत आए थे, तो अपने हाथ में रामायण, गीता, छोटी-छोटी पुस्तकें लेकर आए थे। फ़िजी के कोने-कोने में छोटी-छोटी पाठशालाओं का निर्माण किया और वहीं से हिंदी पढ़ाने और उसके प्रचार-प्रसार की शुरुआत हुई।"*

भारत के विदेश मंत्री, माननीय डॉ. एस. जयशंकर ने अपने समापन संबोधन में आयोजकों और उनकी पूरी टीम की मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि फ़िजी के प्रधानमंत्री और मंत्री मंडल के सदस्यों के साथ हुई बातचीत अधिक आर्थिक, सुरक्षा और विकास के विषयों पर रही, लेकिन इस विषय पर भी ध्यान दिया गया कि भारत की ओर से फ़िजी में सांस्कृतिक मुद्दे को कैसे आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने यह भी कहा *"पिछले दिनों में आप सब की ओर से बहुत सारे विचार आए हैं कि आगे का रास्ता क्या होना चाहिए। सबकी आशा है कि यह सम्मेलन एक किस्म से हिंदी का एक महाकुम्भ होगा, जहाँ दुनिया के लोग आएँगे, हिंदी के विषय में यह एक ग्लोबल नेटवर्किंग का प्लेटफ़ॉर्म बनेगा। हमें कई प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं, जिनपर विचार किया जाएगा। और यह सम्मेलन कब और कहाँ करें, इसपर भी विचार किया जाएगा और निर्णय लिए जाएँगे।"*

## विश्व हिंदी सम्मान

इस अवसर पर विश्व भर में हिंदी की सेवा में संलग्न विद्वानों को 'विश्व हिंदी सम्मान' से विभूषित किया गया। उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने सम्मानित विद्वानों को शॉल, शील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान करके विभूषित किया।

**भारत के हिंदी विद्वान :** प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, डॉ. मनोहर लाल भण्डारी, श्री नारायण कुमार, डॉ. जवाहर कर्नावट, प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल, प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय, प्रो. कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री, डॉ. देव भवानी, श्री जुमसी सीराम एवं श्री पुलिशेट्टी ओबय्या

**भारत की हिंदी सेवी संस्थाएँ :** केरल हिंदी प्रचार सभा एवं असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति - पूर्वोत्तर क्षेत्र

**विदेशी हिंदी विद्वान :** डॉ. मृदुल कीर्ति, श्री मिकी युइचुरो, डॉ. शैलजा सक्सेना, डॉ. पद्मा सवांगश्री, डॉ. मोनिका रोवाटी, प्रो. संध्या सिंह, श्री रवींद्र महाराज, डॉ. इंदु चंद्रा, पंडित भुवनदत्त, डॉ. मैक्सिम देमचेंको एवं डॉ. नीलुफ़र खोजवाया

**विदेशी हिंदी सेवी संस्थाएँ :** थाई भारत कल्चर लोड्ज - थाईलैंड एवं हिंदी शिक्षा संघ - दक्षिण अफ़्रीका

समापन समारोह का संचालन प्रो. अनुराधा पाण्डेय ने किया। 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन में लगभग 1400 प्रतिभागियों का पंजीकरण हुआ था एवं इक्कतीस देशों के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

***विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट***

# विश्व हिंदी सचिवालय का 15वाँ आधिकारिक कार्यारम्भ दिवस

9 फ़रवरी, 2023 को विश्व हिंदी सचिवालय के 15वें आधिकारिक कार्यारम्भ दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप-प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री अलान गानू, भूमि, परिवहन और लाइट रेल मंत्री - विदेश मामले, क्षेत्रीय एकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महामहिम श्रीमती के. नंदिनी सिंग्ला, भारतीय उच्चायुक्त उपस्थित थीं। अतिथि वक्ता के रूप में प्रो. संजय कुमार, प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत को आमंत्रित किया गया था।

मुख्य अतिथि माननीय श्री अलान गानू ने सचिवालय के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हर्ष की अभिव्यक्ति की और सचिवालय के कार्यों की सराहना की। उनके अनुसार कविता का पठन केवल अकादमिक विकास के लिए ही नहीं बल्कि व्यक्तिगत उन्नयन के लिए भी महत्त्वपूर्ण है।

महामहिम श्रीमती के. नंदिनी सिंग्ला ने अपने संबोधन में कहा *"स्थापना के बाद के इन पंद्रह वर्षों में सचिवालय ने अपनी नींव काफ़ी मज़बूत कर ली है। आज भारत के बाहर मॉरीशस एक ऐसा देश है, जो हिंदी के लिए वैश्विक केंद्र बन गया है।"* महामहिम जी ने इस अवसर पर कुछ महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए कि :

सचिवालय द्वारा विदेशी विद्वानों के साथ वर्ष में दो या तीन बार वर्चुअल कार्यक्रमों का आयोजन हो।

सचिवालय मॉरीशस के कुछ अन्य क्षेत्रों में अर्थात् ग्रामीण प्रदेशों में कार्यक्रमों का आयोजन करे और हिंदी को मॉरीशस के हर घर तक पहुँचाए।

सचिवालय जब इस वर्ष अपनी पन्द्रहवीं वर्षगाँठ मना रहा है, तब इस संदर्भ में एक मोडल बैठका तैयार करे, जो अन्य बैठकाओं के पुनर्निर्माण का आधार भी बने।

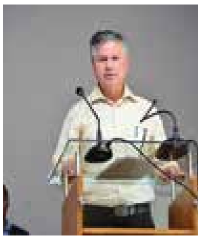

अतिथि वक्ता प्रो. संजय कुमार ने 'आधुनिक संदर्भ में कविता का महत्त्व' विषय पर बीज-वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में तीन बिंदुओं को सभागार के समक्ष रखा। पहला है बिम्ब, दूसरा संदर्भ पर्यावरण का संकट और तीसरा अस्मिता संबंधी विमर्श और आंदोलन।

विश्व हिंदी सचिवालय की उपमहासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने अपने स्वागत-संदेश में मुख्य अतिथि एवं गण्यमान्य अतिथियों को उनकी उपस्थिति के लिए विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए यह सूचित किया कि इस वर्ष विश्व हिंदी सचिवालय की वार्षिक साहित्यिक पत्रिका 'विश्व हिंदी साहित्य' के विशेषांक का लोकार्पण फ़िजी में आयोजित होने वाले 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन के अवसर पर किया जाएगा।

कार्यक्रम में मॉरीशस की सुप्रसिद्ध लेखिका श्रीमती कल्पना लालजी की पुस्तक 'गिरमिटिया महाकाव्य' का लोकार्पण किया गया।

## आधुनिक हिंदी कविताओं की प्रस्तुति :

इस अवसर पर मॉरीशस की माध्यमिक पाठशालाओं के छात्र एवं मॉरीशस के कलाकारों ने आधुनिक काल के कवियों की उम्दा रचनाओं को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। कला एवं सांस्कृतिक धरोहर मंत्रालय के कला अधिकारियों - श्री सत्यभूषणसिंह बीगू, श्री नुमलेश बंधुआ और श्रीमती दीपशिखा चट्टू चमन ने छात्रों के अभिनय को सँवारने में अहम भूमिका निभाई।

गायताँ रेनाल सरकारी कॉलिज की छात्राओं ने सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा लिखित 'गहन है यह अंधकार' कविता की प्रस्तुति की। प्रो. एस. जगेसर डी.ए.वी. कॉलिज रोज़-बेल के छात्रों ने सुमित्रानंदन पंत द्वारा लिखित 'ताज' कविता प्रस्तुत की। एबेन एस. एस. एस. गर्ल्स कॉलिज की छात्राओं ने महादेवी वर्मा की कविता 'जीवन विरह का जलजात' को दर्शकों के सामने रखा। मैथिलीशरण गुप्त द्वारा लिखित 'साकेत' के एक अंश का प्रस्तुतीकरण महात्मा गांधी माध्यमिक कॉलिज की छात्राओं ने किया।

श्रीमती कल्पना लालजी द्वारा 'गिरमिटिया महाकाव्य' के एक अंश का मंचन अनंता नवरंग आर्ट्स एसोसिएशन के कलाकारों द्वारा किया गया।

मंच-संचालन एवं धन्यवाद-ज्ञापन श्रीमती अंजलि हजगैबी-बिहारी एवं डॉ. सोमदत्त काशीनाथ ने किया।

## 15वें आधिकारिक कार्यारंभ दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला

आधिकारिक कार्यारंभ दिवस के उपलक्ष्य में औपचारिक कार्यक्रम के पश्चात् 'उच्च माध्यमिक स्तर पर हिंदी कविता का पठन-पाठन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का लक्ष्य विद्यार्थियों में काव्य-विश्लेषण के कौशल का विकास करना और शिक्षकों को काव्य-शिक्षण की उचित विधियों को अपनाने की प्रेरणा देना रहा। कार्यशाला के विशेषज्ञ दिल्ली विश्वविद्यालय से आए प्रो. संजय कुमार रहे। कार्यशाला को दो सत्रों में विभाजित किया गया था। प्रथम सत्र में सुमित्रानंदन पंत एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविताओं का विश्लेषण किया गया तथा द्वितीय सत्र में महादेवी वर्मा एवं मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं का विश्लेषण किया गया। कार्यशाला के दौरान कार्य-सत्रों का आयोजन भी किया गया, जिनमें प्रतिभागी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

***विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट***

# प्रवासी भारतीय दिवस 2023

8 से 10 जनवरी, 2023 तक इंदौर, भारत में 17वाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2023 का आयोजन किया गया। प्रवासी भारतीय दिवस 2023 का मुख्य विषय 'डायस्पोरा : अमृत काल में भारत की प्रगति के लिए विश्वसनीय भागीदार' रहा।

8 जनवरी, 2023 को युवा प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के साथ साझेदारी में हुआ। युवा प्रवासी भारतीय दिवस पर ऑस्ट्रेलिया की सांसद महामहिम सुश्री ज़नेटा मैस्करेनहास सम्माननीय अतिथि रहीं।

9 जनवरी, 2023 को सम्मेलन का शुभारम्भ भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर गयाना के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. मोहम्मद इरफ़ान अली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और सूरीनाम गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति महामहिम श्री चंद्रिकाप्रसाद संतोखी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। एक स्मारक डाक टिकट 'सुरक्षित जाएँ, प्रशिक्षित जाएँ' जारी किया गया, जो सुरक्षित, कानूनी, व्यवस्थित और कुशल प्रवासन के महत्त्व को रेखांकित करता है। भारत की स्वतंत्रता में हमारे प्रवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को उजागर करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री ने 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में प्रवासी भारतीयों का योगदान' विषय पर डिजिटल प्रवासी भारतीय दिवस प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

10 जनवरी, 2023 को माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने सभा को संबोधित किया तथा 'प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार' प्रदान किया।

सम्मेलन में पाँच विषयगत पूर्ण सत्र रखे गए थे, जो 'नवाचारों और नई प्रौद्योगिकियों में प्रवासी युवाओं की भूमिका', 'अमृत काल में भारतीय हेल्थकेयर इको-सिस्टम को बढ़ावा देने में प्रवासी भारतीयों की भूमिका : विज़न @ 2047', 'भारत

की नरम शक्ति का लाभ उठाना - शिल्प, व्यंजन और रचनात्मकता के माध्यम से सद्भावना', 'भारतीय कार्यबल की वैश्विक गतिशीलता को सक्षम करना - भारतीय डायस्पोरा की भूमिका' तथा 'राष्ट्र निर्माण के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण की दिशा में प्रवासी उद्यमियों की क्षमता का दोहन' विषयों पर केंद्रित रहा।

***साभार : प्रधानमंत्री कार्यालय, भारत सरकार, दृष्टि आई.ए.एस.कॉम एवं तीनबत्ती न्यूज़.कॉम***

# उत्सव, संगोष्ठी, आभासी कार्यक्रम, जयंती, परिसंवाद

## दिल्ली में अखिल भारतीय काव्योत्सव

21 मार्च, 2023 को दिल्ली में साहित्य अकादमी द्वारा विश्व कविता दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय काव्योत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य अकादमी के अध्यक्ष, श्री माधव कौशिक ने की और उद्घाटन वक्तव्य वरिष्ठ हिंदी कवि, श्री प्रयाग शुक्ल ने दिया। स्वागत-भाषण अकादमी के सचिव, के. श्रीनिवासराव द्वारा प्रस्तुत किया गया।

काव्योत्सव में श्री प्रयाग शुक्ल ने कहा कि आज अनुवाद द्वारा किसी भी देश की कविता विश्व के कोने-कोने तक पहुँच रही है और यही कविता की सत्ता एवं उसका सम्मान है। हिंदी अकादमी के अध्यक्ष, श्री माधव कौशिक ने कहा कि कवि समानांतर दुनिया रचता है, इसीलिए भारतीय संस्कृति में उसे 'प्रजापति' कहा गया है। साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष, श्रीमती कुमुद शर्मा ने बताया कि एक समर्थ कवि रोज़मर्रा के दबावों को अपनी कविता में दर्ज करता है। इसीलिए भारतीय भाषाओं में कविताओं का रूप बहुमुखी और समर्थ है। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के सचिव, श्री के. श्रीनिवासराव ने कहा कि कविता मानवता का हिस्सा है और पूरे विश्व में शांति की वाहक है।

कार्यक्रम में हिंदी के प्रख्यात कवि, श्री केदारनाथ सिंह पर प्रकाशित विनिबंध (लेखक-हरिमोहन शर्मा) का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कवि-कवयित्रियों ने अपनी-अपनी भाषाओं में कविताएँ प्रस्तुत कीं। इस काव्योत्सव में 24 भारतीय भाषाओं के कवियों ने भाग लिया।

***साभार : हिंदी न्यूज़18.कॉम***

## भोपाल में डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय की आलोचनात्मक कृति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

29 जनवरी, 2023 को हिंदी भवन भोपाल में मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा प्रख्यात आलोचक, डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय के आलोचना ग्रंथ 'जयशंकर प्रसाद महानता के आयाम' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के आरंभ में मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के महामंत्री, डॉ. कैलाशचंद पंत ने कहा कि डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय ने उनके संपूर्ण साहित्य का भाषाबोध और अस्मिताबोध के संदर्भ में नए सिरे से मूल्यांकन किया है। वक्तव्य देते हुए प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने इस ग्रंथ की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि यह ग्रंथ प्रसाद की आलोचना परंपरा का मानदंड ही नहीं है, अपितु वर्तमान पीढ़ी के आलोचकों एवं शोधार्थियों के लिए एक मार्गदर्शक ग्रंथ है। डॉ. सुधीर शर्मा ने इसे प्रसाद साहित्य की तलस्पर्शिनी व्याख्या करने वाला ग्रंथ बताया। कवि आनंद सिंह ने कहा कि यह ग्रंथ डॉ. उपाध्याय के प्रदीर्घ साधना का प्रतिफल है। प्रख्यात राष्ट्रवादी चिंतक, डॉ. रामेश्वर मिश्र पंकज ने कहा कि डॉ. उपाध्याय ने प्रसाद के साहित्य रूपी सहस्र-दल कमल की अधिकांश पंखुड़ियों को उन्मीलित कर दिया है। डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय ने कहा कि प्रसाद का जीवन अपने भीतर महाकाव्य की पीड़ा को समेटे हुए था तथा उन्होंने जिस काव्यात्मक औदात्य के साथ विश्वस्तरीय समस्याओं का चित्रण और उनका निदान प्रस्तुत किया है, वह अद्वितीय है। कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी, डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि लेखक ने प्रसाद की तुलना भारतीय और पाश्चात्य महाकवियों के साथ करके इस ग्रंथ को व्यापक आयाम दे दिया है।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. कैलाशचंद्र पंत ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह आलोचनात्मक प्रतिमान और भाषिक औदात्य की दृष्टि से भी प्रसाद और रामचंद्र शुक्ल के स्तर पर पहुँच गया है, जो हिंदी आलोचना को उसकी वास्तविक भाव-भूमि पर पुन: प्रतिष्ठित करता है। डॉ. जया केतकी ने संगोष्ठी का संचालन किया।

***साभार : नया लुक.कॉम***

## उज्जैन में राष्ट्रीय संगोष्ठी

19 जनवरी, 2023 को प्रतिष्ठित संस्था राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना द्वारा प्रेस क्लब, उज्जैन में 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन : साहित्य और शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में' पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार, डॉ. शिव चौरसिया रहे। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलानुशासक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष, प्रो. शैलेंद्रकुमार शर्मा प्रमुख अतिथि वक्ता रहे। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री ब्रजकिशोर शर्मा एवं प्रो. बी. एल. आच्छा थे। अध्यक्षता राष्ट्रीय संयोजक, श्री यशवंत भंडारी ने की।

मुख्य अतिथि डॉ. शिव चौरसिया ने कहा कि आधुनिक युग में स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर आदि ने शिक्षा, संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में नव-चेतना का प्रसार किया। मैथिलीशरण गुप्त, निराला, प्रसाद, सुभद्राकुमारी चौहान जैसे अनेक रचनाकारों ने स्वाधीनता आंदोलन में महत्त्वपूर्ण आधार दिया। उस दौर के कई लेखकों ने प्राचीन वैभव का स्मरण कराते हुए राष्ट्र प्रेम जगाने की कोशिश अपनी रचनाओं के माध्यम से की।

संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता विक्रम विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष एवं कुलानुशासक प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में देश के कोने-कोने के असंख्य साहित्यकारों, संस्कृतिकर्मियों, कलाकारों और शिक्षकों ने अविस्मरणीय भूमिका निभाई। राष्ट्रीय चेतना के प्रसार में बालकृष्ण शर्मा नवीन ने अपनी रचनाओं और पत्रकारिता के माध्यम से अविस्मरणीय योगदान दिया। साथ ही, उन्होंने महामना मालवीय के स्वाधीनता आंदोलन के समानांतर शिक्षा के महत्त्व को रेखांकित किया।

चेन्नई के साहित्यकार, प्रो. बी.एल. आच्छा ने कहा कि तमिलनाडु में शिक्षा, अनुसंधान और साहित्य के क्षेत्र में हिंदी का पार्याप्त प्रयोग एवं प्रचार हो रहा है। चेन्नई सहित तमिलनाडु के कई शहरों में हिंदी समाचार-पत्र बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँच रहे हैं।

समारोह का संचालन वरिष्ठ कवि, श्री सुंदरलाल जोशी सूरज ने किया तथा आभार-प्रदर्शन डॉ. निसार फ़ारूकी ने किया।

*साभार : डॉ. शैलेंद्र शर्मा.ब्लॉगस्पॉट.कॉम*

## छत्तीसगढ़ में द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

24 से 25 फ़रवरी, 2023 को किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़, छत्तीसगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में देश के प्रतिष्ठित कवि पद्मश्री श्री लीलाधर जगूड़ी एवं उड़िया भाषा संस्कृति के प्रख्यात साहित्यकार, पद्मश्री श्री हलधर नाग उपस्थित थे। अमेरिका से डॉ. अनिता कपूर विषय-विशेषज्ञ के रूप में सम्मानित हुई तथा छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग की पूर्व अध्यक्ष, डॉ. विनय कुमार पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. लीलाधर जगूड़ी ने इस अवसर पर संगोष्ठी के विषय 'छायावादोत्तर हिंदी कविता में रचनात्मक प्रतिबद्धता और सार्थकता' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से हिंदी भाषा का गौरव बढ़ता है और वह दूर-दूर तक विस्तृत होती जाती है। पद्मश्री श्री हलधार नाग ने समकालीन हिंदी कविता पर बात करते हुए उड़िया भाषा और संस्कृति पर भी प्रकाश डाला। अमेरिका की प्रवासी साहित्यकार, डॉ. अनिता कपूर ने इस अवसर पर छायावादोत्तर काव्य आंदोलन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा विभिन्न साहित्यकारों की रचनाओं की चर्चा की। डॉ. दीपक पांडेय ने इस अवसर पर प्रगतिवादी काव्य को उजागर किया। उन्होंने नागार्जुन, शमशेर, त्रिलोचन और केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं की चर्चा करते हुए प्रगतिवाद के बाद प्रयोगवाद और नई कविता की दिशा में हिंदी के विकास क्रम को उल्लिखित किया। डॉ. विनय कुमार पाठक ने सत्र अध्यक्ष के रूप में अपनी बात रखी और छायावादोत्तर हिंदी कविता रचनात्मक प्रतिबद्धता और सार्थकता शीर्षक को भी व्याख्यायित किया। डॉ. करुणा पांडे ने प्रयोगवाद एवं नई कविता काव्य आंदोलन पर अपनी बातें रखीं एवं प्रयोगवाद के विभिन्न कवियों अज्ञेय, मुक्तिबोध इत्यादि के काव्य की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए आज के जीवन से उसे जोड़ने की बात कही। डॉ. नूतन पांडेय ने इस अवसर पर प्रवासी साहित्यकारों द्वारा लिखे जा रहे साहित्य की चर्चा की। उन्होंने अपने वक्तव्य में अभिमन्यु अनत एवं अन्य प्रवासी साहित्यकारों की रचनाओं से कुछ उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि भारत के बाहर भी हिंदी भाषा में इस प्रकार से समृद्ध लेखन-कार्य चल रहा है। डॉ. राम नारायण पटेल ने समकालीन हिंदी कविता पर अपनी बात रखी। श्री लिंगम चिरंजीव राव ने इस अवसर पर नवगीत काव्य आंदोलन पर प्रकाश डाला।

इस आयोजन में अमेरिका, ब्रिटेन, नॉर्वे, कनाडा और चीन के साथ भारत के 25 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों से विद्वान वक्ता, साहित्यकार, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

*साभार : रायगढ़ टॉप न्यूज़.कॉम*

## वाराणसी में संगोष्ठी

30 जनवरी, 2023 को वसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, वाराणसी के हिंदी विभाग में अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 'हिंदी में उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की व्यावसायिक चुनौतियाँ और हिंदी का वैश्विक परिदृश्य' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विषय-विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित उद्यमी एवं साहित्यकार, यूनाइटेड किंग्डम से जय वर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य या कविता की कोई भाषा नहीं होती, क्योंकि मनोभावों की अभिव्यक्ति किसी भी भाषा में की जा सकती है। विशिष्ट अतिथि बुल्गारिया की लेखिका, उषा शर्मा ने छात्राओं को हिंदी भाषा से संबंधित रोज़गार के नाना कौशलों से परिचित कराते हुए अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर छात्राओं का मनोबल बढ़ाने के लिए महाविद्यालय की प्रबंधक, उमा भट्टाचार्य ने अपना आशीर्वचन दिया। अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या, रचना श्रीवास्तव ने हिंदी भाषियों को हिंदी के महत्त्व को समझते हुए हिंदी भाषा के अधिक-से-अधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। विभाग की अध्यक्षा एवं संयोजिका, आशा यादव ने आयोजन के मूलभूत उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। छायावाद के स्तंभ कवि जयशंकर प्रसाद की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए डॉ. आराधना तिवारी ने उनकी कविता 'ले चल वहाँ बुलावा देकर' की प्रस्तुति की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभांगी श्रीवास्तव ने एवं धन्यवाद-ज्ञापन डॉ. शशिकला ने किया।

*साभार : बनारस वॉइस.कॉम*

# वैश्विक हिंदी परिवार द्वारा आयोजित आभासी कार्यक्रम

## देश-विदेश के लेखकों का रचना-पाठ

1 जनवरी, 2023 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद् तथा विश्व हिंदी सचिवालय के तत्त्वावधान में वैश्विक हिंदी परिवार ने नववर्ष के अवसर पर 'देश विदेश के लेखकों का रचना-पाठ' विषय पर आभासी कार्यक्रम का आयोजन किया। दिल्ली केंद्र हैदराबाद में प्राध्यापन से संबद्ध, डॉ. अपर्णा सारस्वत ने स्वागत-वक्तव्य प्रस्तुत किया।

नवभारत टाइम्स के संपादक, श्री सुधीर मिश्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए 'जाइए नहीं नहाते इतनी ठंड में क्या कर लेंगे' नामक व्यंग्य तथा 'गूलर का फूल' की प्रस्तुति की।

न्यूज़ीलैंड से श्री रोहित कुमार 'हैप्पी' ने दोहा और क्षणिका प्रस्तुति की। डॉ. जवाहर कर्नावट ने व्यंग्य प्रस्तुति की। सिंगापुर से डॉ. संध्या सिंह ने अपनी कविताओं का पाठ किया। श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त' ने कविता तथा व्यंग्य प्रस्तुति की। ऑस्ट्रेलिया से श्रीमती रेखा राजवंशी ने ग़ज़ल की प्रस्तुति की। भारत से डॉ. बीना शर्मा ने कविता का पाठ किया। भारत से श्री राजेश कुमार ने दोहा प्रस्तुत किया। यू.के. से दिव्या माथुर ने अपने नव प्रकाशित बाल-उपन्यास में से एक अंश प्रस्तुत किया। श्रीमती अलका सिन्हा ने कविता की प्रस्तुति की। यू.एस. से श्री अनूप भार्गव ने मुक्तक प्रस्तुत किया। केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष, श्री अनिल जोशी ने कविता का पाठ किया।

श्रीमती अलका सिन्हा ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा डॉ. जयशंकर यादव ने धन्यवाद-ज्ञापित किया।

## हिंदी-शिक्षण कार्यशाला

15 जनवरी, 2023 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद् तथा विश्व हिंदी सचिवालय के तत्त्वावधान में वैश्विक हिंदी परिवार ने आभासी मंच पर 'हिंदीतर-भाषियों में वर्तनी की समस्याएँ और समाधान' विषय पर हिंदी-शिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। केंद्रीय हिंदी संस्थान के शिलांग केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक, श्री कृष्ण कुमार पाण्डेय ने स्वागत वक्तव्य दिया।

भारतीय शिक्षा मंत्रालय के पूर्व निदेशक (शैक्षिक), प्रो. राजेश कुमार ने विषय-प्रवर्तन करते हुए सर्वप्रथम वर्तनी की त्रुटियों को रेखांकित किया। प्रख्यात भाषाविज्ञानी, प्रो. वी. रा. जगन्नाथन ने अपनी प्रस्तुति में वर्तनी संबंधी त्रुटियों के कारणों पर बल देते हुए वर्तनी की त्रुटियों के समाधान तथा वर्तनी की प्रक्रिया को भी साझा किया। प्रो. तोमियो मिज़ोकामी ने विशेष टिप्पणी देते हुए भारतीय और जापानी छात्रों के बीच अंतर बताते हुए कहा *"जापानी भाषा सीखने हेतु आँखों का प्रयोग करते हैं, जबकि भारतीय विद्यार्थी कानों का प्रयोग करते हैं।"* सान्निध्य वक्तव्य देते हुए केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा की निदेशक प्रो. बीना शर्मा ने कहा कि बार-बार वर्तनी संबंधी त्रुटियों वाले शब्दों को लिखकर वर्तनी में सुधार लाया जा सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेंसिल्वेनिया, अमेरिका के सेवानिवृत प्राचार्य, प्रो. सुरेंद्र गंभीर ने वर्तनी में अशुद्धिओं के कारण को वर्गों में विभाजित करते हुए 'मातृभाषागत अशुद्धियाँ, लिपिगत अशुद्धियाँ, व्याकरणगत अशुद्धियाँ' पर प्रकाश डाला।

श्री कृष्ण कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा श्रीमती शिखा रस्तोगी ने धन्यवाद-ज्ञापित किया।

## '12वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन - फ़िजी' विषय पर विमर्श

5 फ़रवरी, 2023 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद् तथा विश्व हिंदी सचिवालय के तत्त्वावधान में वैश्विक हिंदी परिवार ने '12वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन - फ़िजी' विषय पर विमर्श आयोजित किया। केंद्रीय हिंदी संस्थान के शिलांग केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक, श्री कृष्ण कुमार पाण्डेय ने स्वागत-वक्तव्य प्रस्तुत किया।
फ़िजी शिक्षा मंत्रालय के पाठ्यक्रम विभाग में वरिष्ठ विशेषज्ञ, श्रीमती श्यामला लता ने फ़िजी में आयोजित होने वाले 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन हेतु की जा रही तैयारियों को रेखांकित किया। उन्होंने सम्मेलन के दौरान फ़िजी की पहचान को दर्शाने पर भी बल दिया। फ़िजी नेशनल विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक, डॉ. सुभाषिनी लता कुमार ने सम्मेलन में आयोजित होने वाली गतिविधियों पर जानकारी देते हुए कहा कि यह सम्मेलन हिंदी की जड़ों को फ़िजी में और भी मज़बूत करेगा। फ़िजी विश्वविद्यालय में हिंदी व्याख्याता, श्रीमती मनीषा रामरक्खा ने कहा *"हमारे पूर्वजों ने 145 वर्ष पूर्व हिंदी का इतिहास फ़िजी में शुरू किया था, आज इस सम्मेलन के साकार होने पर उनकी मेहनत सफल होने जा रही है। इस सम्मेलन से वैश्विक रूप से लोग फ़िजी की संस्कृति तथा हिंदी के प्रति यहाँ बसे लोगों की रुचि के बारे में जान सकेंगे।"* अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति, श्री रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा *"इस सम्मेलन का लक्ष्य यह है कि हिंदी आधुनिकतम ज्ञान-विज्ञान की भाषा के रूप में विकसित हो।"* संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष, श्री प्रदीप कुमार जोशी ने कहा *"प्रारम्भिक स्तर से पढ़ाई यदि मातृभाषा से शुरू होती है, तभी यह राष्ट्र के लिए उपयोगी सिद्ध होती है। हिंदी की वृद्धि हेतु यह सम्मेलन एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।"* उन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार में सिनेमा की भूमिका पर भी बल दिया। त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के अध्यक्ष, प्रो. विनोद कुमार मिश्र ने कहा *"यह सम्मेलन ज्ञान के वैकल्पिक भाषा के रूप में ही हिंदी की दावेदारी को पुन: प्रसारित करने का एक अवसर बनेगा। आज के बदले हुए परिवेश में हिंदी ने परम्परागत दायरों से बाहर निकलकर एक वैश्विक पहचान बनाई है।"* केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष, श्री अनिल जोशी ने बताया कि *"हमें इस सम्मेलन को फ़िजी में हिंदी के विकास को लेकर एक बड़े अवसर के रूप में देखने की आवश्यकता है। साथ ही, यह सम्मेलन भारत और फ़िजी के संबंधों में सेतु के रूप में अभरेगी।"*

डॉ. जवाहर कर्नावट ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा श्री सुमंत राउत ने धन्यवाद-ज्ञापित किया।

## अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस - संवाद

19 फ़रवरी, 2023 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद् तथा विश्व हिंदी सचिवालय के संयुक्त तत्त्वावधान में वैश्विक हिंदी परिवार ने आभासी मंच पर अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर संवाद का आयोजन किया। श्री राजेश कुमार ने स्वागत-वक्तव्य दिया।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यू.के. की मुख्य हिंदी परीक्षक, डॉ. अरुणा अजितसरिया ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भारत की भौगोलिक विविधता और हर प्रांत की अपनी भाषा हमारी सीमा नहीं अपितु शक्ति है। वरिष्ठ पत्रकार एवं भाषाकर्मी, श्री राहुल देव ने विभिन्न दूतावासों को मातृभाषा के संरक्षण हेतु सक्रिय रहने का आह्वान किया। कवि एवं कथाकार, श्री वाहिद रज़ा ने कश्मीर में बोली जाने वाली भाषाओं का उल्लेख किया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सह संयोजक, श्री विनोद ने शिक्षा संस्कृति उत्थान संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. टी.वी. कट्टिमणि ने कहा *"यदि हम मातृभाषा में लोगों को बोलने, अभिव्यक्त तथा अपने आप को प्रदर्शित करने का अवसर देंगे, तो यह स्थिति सर्वोपरि होगी।"* डॉ. जवाहर कर्नावट ने अपने विचार देते हुए कहा कि डिजिटल क्रांति तभी सफल हो सकती है, जब इनमें हिंदी और भारतीय भाषाओं का प्रयोग होगा। केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष, श्री अनिल जोशी ने सभी देशों में मातृभाषा दिवस का आयोजन करने की इच्छा जताई।

श्री बरुण कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा डॉ. संध्या सिंह ने धन्यवाद-ज्ञापित किया।

## हिंदी और प्रौद्योगिकी कार्यशाला

12 मार्च, 2023 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद् तथा विश्व हिंदी सचिवालय के तत्त्वावधान में वैश्विक हिंदी परिवार ने 'अब कृत्रिम मेधा (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस) करेगी साहित्य सृजन' विषयक आभासी मंच पर प्रौद्योगिकी कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. सपना गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य दिया।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के पूर्व निदेशक (शैक्षिक) ने आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के उपलक्ष्य में कहा कि लोग आजकल इसका प्रयोग कर रहे हैं तथा यह एक कमाई का भी साधन बन गया है। मिनटों में ब्लॉग के पोस्ट, पुस्तक का सृजन, ईमेल, चिट्ठी-लेखन, वीडियो स्क्रप्ट, ऐक्सेल में कार्य किए जा सकते हैं। उन्होंने लेखन से पहले की प्रक्रिया को साझा करते हुए कहा कि अनुभव और अवलोकन, आलोचनात्मक-पठन, मानस मंथन, विचार मैपिंग, इंटरनेट खोज, रूपरेखा बनाने के पश्चात् ही लेखन प्रारम्भ होता है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी किसी भी क्षेत्र में लेखक का काम आसान और तेज़ कर देता है, उन्होंने आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के कुछ उदाहरण दिए जैसे- 'जैस्पएआई, कॉपीएआई, राइटर, राइटसोनिक, सर्फ़र, आर्टिकूलो एवं नेचूरलटेक्स्ट' आदि। उन्होंने पावर पॉइंट द्वारा आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के एप्स के प्रयोग की प्रक्रिया साझा की।

आई.आई.टी., कानपुर से प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने अध्यक्ष के रूप में बात करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी एक उभरता हुआ क्षेत्र है। सामाजिक पूर्वाग्रह आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के अंदर निर्मित होता है। उन्होंने संगीत और आर्ट्स, भाषा और सामग्री-निर्माण, रोबोटिक्स, दवाई और इलाज के क्षेत्र में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस की महत्ता को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करते समय श्रेष्ठ आउटपुट मिलने हेतु अधिक-से-अधिक इंपुट देने की माँग की।

कार्यशाला के दौरान जुड़े हुए विभिन्न देशों के हिंदी प्रेमियों के बीच परिचर्चा भी हुई। श्री मोहन बहुगुणा ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा डॉ. जयशंकर यादव ने धन्यवाद-ज्ञापित किया।

## 'भारतीय भाषा परिसंवाद : तमिल और हिंदी' पर भाषा विमर्श

19 मार्च, 2023 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद् तथा विश्व हिंदी सचिवालय के तत्त्वावधान में वैश्विक हिंदी परिवार ने आभासी मंच पर 'भारतीय भाषा परिसंवाद : तमिल और हिंदी' पर भाषा विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया। केंद्रीय हिंदी संस्थान में भुवनेश्वर क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. रंजन दास ने स्वागत-वक्तव्य दिया।

राजस्थान पत्रिका, चेन्नई के प्रभारी संपादक, डॉ. पी. एस. विजयराघवन ने तमिलनाडु में हिंदी मीडिया के प्रभाव पर अपना वक्तव्य दिया। लोयोला कॉलिज, चेन्नई के हिंदी विभागाध्यक्ष, डॉ. राज शेखर ने भाषा के संबंध में अपने विचार देते हुए कहा *"भाषा महत्त्वपूर्ण हो जाती है, जिसमें रोज़गार की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। इसके फलस्वरूप हिंदी का प्रचार-प्रसार होगा।"* दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, चेन्नई की सह-आचार्य डॉ. बी. संतोषी ने दक्षिण भारत में हिंदी संबंधी संपन्न कार्यों पर प्रकाश डाला। तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी, चेन्नई के सचिव, श्री ईश्वर करुण के तमिल और हिंदी का एक-दूसरे के प्रति भाषाई सौहार्द हेतु किए जा रहे कार्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष, श्री अनिल जोशी ने सांस्कृतिक एकता को रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष, अखिल भारतीय राष्ट्रवादी लेखक संघ से सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर तथा महासचिव, डॉ. ए. भवानी ने विभिन्न वक्ताओं पर टिप्पणी प्रस्तुत की तथा राजनीति में भी हिंदी को प्रधानता देने की इच्छा जताई। इस अवसर पर जुड़े हुए प्रतिभागियों ने भी अपने-अपने संक्षिप्त विचार प्रकट किए। डॉ. गंगाधर वानोडे ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा डॉ. सुरेश कुमार मिश्र ने धन्यवाद-ज्ञापित किया।

***वैश्विक हिंदी परिवार के यू ट्यूब तथा फ़ेसबुक पृष्ठ से साभार***

## पटना में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा जयंती समारोह

5 मार्च, 2023 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के मेजर बलबीर सिंह सभागार, पटना में जयंती-समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कथा शिल्पी श्री फ़णीश्वरनाथ रेणु एवं व्यंग्यकार, डॉ. रवींद्र राजहंस को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सम्मेलन-अध्यक्ष, डॉ. अनिल सुलभ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि कथा-शिल्पी फ़णीश्वरनाथ रेणु सीने में अग्नि को पोषित करने वाले क्रांति-धर्मी कथाकार थे। उनका लेखन और जीवन, दोनों ही बहुआयामी था। उन्होंने जो कुछ भी लिखा, वह भोगे हुए यथार्थ पर आधारित था। उनके साहित्य में ग्राम्य और आंचलिकता की प्रधानता रही। आरंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन की उपाध्यक्ष, प्रो. मधु वर्मा ने कहा कि राजहंस जी की कविताओं ने समाज के हर पक्ष को छुआ है। उन्होंने कहा कि रेणु जी ने अपना सारा जीवन लोक और लोक-साहित्य को समर्पित कर दिया था। वरिष्ठ कवि बच्चा ठाकुर, पारिजात सौरभ, कुमार अनुपम, डॉ. मनोज गोवर्धनपुरी, जय प्रकाश पुजारी, शुभचंद्र सिन्हा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन कवि, श्री ब्रह्मानंद पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रबंध-मंत्री, श्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

***डॉ. अनिल सुलभ की रिपोर्ट***

## गोण्डा में परिसंवाद

8 जनवरी, 2023 को एल.बी.एस. डिग्री कॉलिज, गोण्डा में पूर्वापर, स्पंदन, लाइसियम और हिंदी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में पुस्तक-लोकार्पण, सम्मान, परिसंवाद एवं काव्य-पाठ का आयोजन किया गया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष, प्रो. शैलेंद्र नाथ मिश्र ने स्वागत-वक्तव्य दिया। 'हम क्यों लिखते हैं' विषयक परिसंवाद में जनसंदेश टाइम्स के प्रधान संपादक, श्री सुभाष राय ने कहा कि अंधेरे के विरुद्ध प्रकाश की स्थापना के लिए लेखक लिखता है। संस्कृत लेखक, श्री महराजदीन पांडेय ने कहा कि लेखक शिवत्व और लोकमंगल के लिए लिखता है। डॉ. अनिल गौड़ ने कहा कि साहित्यकार सामाजिक सरोकारों की प्रतिबद्धता के कारण लिखता है। डॉ. निशा गहलौत ने कहा कि लिखने की आवश्यकता तरह-तरह की अपूर्णताओं को समाप्त करने की भावना से पैदा होती है। यज्ञदेव पाठक 'नीरज' गोनर्दीय ने कहा कि हमें ज्ञान की अविरल परंपरा का अवबोध प्राप्त करने और उसे नए रूप में प्रस्तुत करने के लिए लिखना होता है। हमारा मुख्य उद्देश्य आत्माभिव्यक्ति है। साथ ही, आयोजित पुस्तक-लोकार्पण समारोह में साहित्यकार सूर्यपाल सिंह की ग्रंथावली के दो खंड, यज्ञदेव पाठक गोनर्दीय के 'कितने तेरे रूप', प्रो. शैलेन्द्र नाथ मिश्र कृत 'ललित निबंध : संवेदना और शिल्प' और प्रो. जय शंकर तिवारी कृत 'दो दशकों के बीच' पुस्तकों का विमोचन किया गया। पूर्वापर, स्पंदन, लाइसियम द्वारा यज्ञदेव पाठक 'नीरज' गोनर्दीय, डॉ. निशा गहलौत, गणेश तिवारी, अरुण प्रकाश पांडेय, वी.सी.एच.एन.के. श्रीनिवास राव, मुजीब अहमद सिद्दीकी, महराजदीन पांडेय, डॉ. श्री नारायण तिवारी, डॉ. सुभाष राय, आनंदस्वरूप 'आनंद', पवन बख़्शी और डॉ. अनिल गौड़ को उत्तरीय एवं मानपत्र भेंटकर 'साहित्य श्री' सम्मान से अलंकृत किया गया। परिसंवाद का संचालन प्रो. जय शंकर तिवारी ने किया।

***साभार : बस्ती ब्यूरो.कॉम***

# लोकार्पण

## 'आशा की भावना' कविता-संग्रह का लोकार्पण

23 मार्च, 2023 को नागरी भंडार स्थित महारानी सुदर्शना कला दीर्घा, बीकानेर प्रियंका गांधी नारी सेवा समिति के तत्त्वावधान में डॉ. आशा भार्गव के सद्य प्रकाशित हिंदी काव्य-संग्रह 'आशा की भावना' का लोकार्पण हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार कवि-कथाकार, श्री राजेंद्र जोशी थे। समारोह की अध्यक्षता व्यंग्यकार-संपादक, डॉ. अजय जोशी ने की तथा समारोह के विशिष्ट अतिथि साहित्यकार, श्री राजाराम स्वर्णकार रहे। श्री राजेन्द्र जोशी ने पुस्तक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. आशा भार्गव की कविताएँ अनुभव से उपजी रचनाएँ हैं तथा यह कविता-संग्रह सरल भाषा में लिखी गई रचना है। समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए व्यंग्यकार, डॉ. अजय जोशी ने कहा कि इस पुस्तक में जीवन-संघर्ष को कविताओं के माध्यम से साझा किया गया है। कवयित्री के व्यक्तित्व-कृतित्व पर डॉ. कृष्णा आचार्य ने पत्रवाचन किया। कार्यक्रम का संचालन हास्य व्यंग्य कवि, श्री बाबूलाल छंगाणी ने किया।

***साभार : थार एक्सप्रेस न्यूज़.कॉम***

## 'प्रवासी कथा साहित्य एक दृष्टिकोण' का लोकार्पण

17 मार्च, 2023 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली केंद्र में लेखिका डॉ. मुक्ति शर्मा द्वारा

लिखित ‘प्रवासी कथा साहित्य एक दृष्टिकोण’ का लोकार्पण समारोह संपन्न हुआ। समारोह के विशिष्ट अतिथि हिंदी भवन न्यास, भोपाल के निदेशक, डॉ. जवाहर कर्नावट, ब्रिटेन की कहानीकार, श्रीमती अरुणा सब्बरलवाल तथा स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, म्यांमार के निदेशक, डॉ. आशीष कंधवे रहे। स्वागत उद्बोधन क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. मंजू राय ने दिया। केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष, श्री अनिल जोशी ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि प्रवासी हिंदी साहित्य अब वैश्विक स्तर तक फैल गया है। इसे भारतीय विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में भी सम्मिलित किया गया है। इस कहानी-संग्रह की विशेषता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. शर्मा ने भूमिका लिखने के साथ-साथ प्रत्येक कहानी पर एक समीक्षात्मक लेख भी लिखा है। इससे विद्यार्थियों एवं सजग पाठकों को कहानियाँ पढ़ते समय एक नया दृष्टिकोण मिलने की संभावना मिल जाती है। केंद्रीय हिंदी संस्थान के प्रोफ़ेसर, डॉ. योगेंद्र कुमार ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

***साभार : अजय भारत.कॉम***

## डॉ. शांति चौधरी की पुस्तकों का विमोचन

7 फ़रवरी, 2023 को प्रयागराज के हिंदुस्तानी अकादमी के सभागार में डॉ. शांति चौधरी द्वारा हिंदी भाषा में लिखी स्वास्थ्य संबंधित पाँच पुस्तकों का विमोचन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, पद्मश्री डॉ. राज बवेजा ने ‘पोषण, चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, हमारी आँखें और हमारी त्वचा’ विषय पर पुस्तकों के प्रकाशन पर डॉ. शांति को बधाई दी। हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव, श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि चिकित्सा जगत एवं साहित्य जगत के समन्वय से प्रकाशित ये पुस्तकें हिंदी साहित्य के लिए गौरव की बात है। डॉ. शांति चौधरी ने व्यक्त किया कि उन्होंने हिंदी भाषा में इन पुस्तकों का प्रकाशन किया है, ताकि लोगों को यह जानकारी जल्द मिले कि उनके शरीर में कुछ असमानताएँ हैं, जिनके लिए वे जल्द-से-जल्द डॉक्टर से संपर्क कर सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष, प्रो. जी. एस. तोमर ने की।

***साभार : भास्कर.कॉम***

## ‘ज्यों कुहरे में धूप’ दोहा-संग्रह का लोकार्पण

5 मार्च, 2023 को होटल ग्रैंड लिगेसी प्राइम, देहरादून में हिंदी साहित्य समिति, देहरादून तथा उद्गार साहित्यिक एवं सामाजिक मंच देहरादून के संयुक्त तत्त्वावधान में सुप्रसिध गीतकार, श्री शिव मोहन सिंह द्वारा रचित दोहा-संग्रह ‘ज्यों कुहरे में धूप’ का लोकार्पण मुख्य अतिथि उत्तराखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं वरिष्ठ साहित्यकार, श्री अनिल रतूड़ी तथा श्रीमती राधा रतूड़ी के हाथों संपन्न हुआ। प्रख्यात गीतकार, डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र विशिष्ट अतिथि रहे तथा वरिष्ठ साहित्यकार, असीम शुक्ल, प्रोफ़ेसर राम विनय सिंह, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलिज, देहरादून तथा पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी, डॉ. विद्या सिंह सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के पूर्व कुलपति, डॉ. सुधा रानी पांडेय की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्वागत-संबोधन हिंदी साहित्य समिति के महामंत्री, हेमवती नंदन कुकरेती द्वारा प्रस्तुत किया गया। श्री अनिल रतूड़ी, श्रीमती राधा रतूड़ी, डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, श्री असीम शुक्ल, प्रो. राम विनय सिंह तथा डॉ. विद्या सिंह ने अपने-अपने वक्तव्यों में श्री शिव मोहन सिंह के संग्रह ‘ज्यों कुहरे में धूप’ की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए लेखक के कार्य की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन उद्गार के सचिव, श्री पवन शर्मा ने किया।

***साभार : सच की दस्तक.कॉम***

## प्रो. रमेश पाठक की दो पुस्तकों का लोकार्पण

14 फ़रवरी, 2023 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना में प्रो. रमेश पाठक की दो पुस्तकों ‘क्रौंच कृष्ण पक्षे’ तथा ‘मानस प्रिया बातें तेरी मेरी’ तथा कवि-गोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष, डॉ. अनिल सुलभ ने कहा कि डॉ. पाठक की रचनाओं में प्रयुक्त ‘प्रतीक’ भी अत्यंत मनोरम और सर्वथा साहित्यिक हैं, भावपूर्ण भी हैं, किंतु उनमें वैज्ञानिक तार्किकता भी है। इसके पूर्व केंद्रीय मंत्री, डॉ. सी.पी. ठाकुर ने पुस्तकों का लोकार्पण करते हुए कहा कि हिंदी भाषा और साहित्य के उन्नयन हेतु लेखन और लेखक को उचित अवसर और प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। समालोचक और सम्मेलन के प्रधानमंत्री, डॉ. शिवांश पाण्डेय ने कहा कि हिंदी के लेखक ने इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। आकाशवाणी के पूर्व सहायक निदेशक और कवि, डॉ. किशोर सिन्हा ने कहा कि जब विज्ञान पर साहित्य रचा जाता है, तब वह साहित्य तार्किक धरातल पर श्रेष्ठ और विश्वसनीय सिद्ध होता है। सम्मेलन के उपाध्यक्ष, डॉ. शंकर प्रसाद, डॉ. मधु वर्मा, डॉ. कल्याणी कुसुम सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित कवि-गोष्ठी में वरिष्ठ कवि बच्चा ठाकुर, डॉ. अर्चना त्रिपाठी, प्रवीर विशुद्धानंद, अजीत कुमार भारती, नेहाल कुमार सिंह ‘निर्मल’ आदि ने अपनी कविताओं का पाठ किया। मंच का संचालन कवि, श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन श्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

***साभार : बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन***

## श्री अरविंद मंडलोई की पुस्तक ‘जादूनामा’ का लोकार्पण

19 जनवरी, 2023 को विद्याश्रम स्कूल स्थित महाराणा प्रताप सभागार में सुप्रसिद्ध शायर और संवाद लेखक श्री जावेद अख़्तर पर श्री अरविंद मंडलोई द्वारा लिखित पुस्तक ‘जादूनामा’ का लोकार्पण किया गया। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि फ़िल्में केवल मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि आमजन में संदेश का प्रसार भी करती हैं। उन्होंने कहा कि जब बाज़ार पोषित मूल्यों के कारण लोगों का शब्द सामर्थ्य सीमित होता जा रहा है, ऐसे समय में भारतीय भाषाओं के शब्दों को सहेजने और उनके प्रसार में फ़िल्मों ने बड़ा योगदान दिया है। राज्यपाल ने इस अवसर पर राजस्थान की साहित्यिक समृद्धि की चर्चा करते हुए कहा कि यहाँ कई महान कवि और गीतकार हुए हैं, जिन्होंने हिंदी सिनेमा के आरम्भिक काल में बहुत प्यारे और हिंदी भाषा की शुद्धता से लबरेज़ गीत दिए हैं। श्री जावेद अख़्तर ने पुस्तक के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इसमें उनके जीवन के अनछुए पहलुओं को लेखक श्री मंडलोई ने बहुत रोचक ढंग से छुआ है। इस अवसर पर पुस्तक के

लेखक, श्री अरविंद मंडलोई, अनुवादक, सुश्री रक्षदा जलील सहित दैनिक भास्कर समाचार-पत्र समूह के संपादक गण, गणमान्यजन और बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

***साभार : सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान सरकार की वेबसाइट***

### श्री राजाराम त्रिपाठी की पुस्तक 'दुनिया इन दिनों' का लोकार्पण

20 फ़रवरी, 2023 को बी.टी.आई. ग्राउंड शंकर नगर में आयोजित छत्तीसगढ़ हिंदी साहित्य महोत्सव तथा 20वें राष्ट्रीय किताब मेले के अंतर्गत श्री राजाराम त्रिपाठी की पुस्तक 'दुनिया इन दिनों' का लोकार्पण किया गया। देश के ख्यातनाम साहित्यकार, श्री राहुल सिंह ने पुस्तक के बारे में बीज वक्तव्य देते हुए कहा कि इस पुस्तक में वर्तमान परिदृश्य में जनजातीय समाज, उनकी विलुप्तप्राय परंपराओं, दिनोदिन छीजते हमारे पर्व व तीज-त्यौहार, बढ़ते पर्यावरण असंतुलन, मौसम परिवर्तन आदि विविध समकालीन मुद्दों को लेकर वैश्विक चिंतन के साथ ही स्थानीय ज्वलंत विषयों पर गहरा चिंतन किया गया है। विषय वैविध्यता के साथ विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर बेबाक व सार्थक लेखन के बावजूद सभी लेख संतुलित तथा पूरी तरह से निष्पक्ष हैं। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद-ज्ञापन छत्तीसगढ़ साहित्य महोत्सव तथा विश्व में राष्ट्रीय किताब मेला के मुख्य संयोजक, श्री नागेंद्र दुबे ने किया।

***साभार : सत्यदर्शन लाइव.कॉम***

### श्री संजय कृष्ण की दो पुस्तकों का विमोचन

21 मार्च, 2023 को रांची स्टेशन रोड स्थित प्रभात प्रकाशन के शोरूम में वरिष्ठ पत्रकार और लेखक संजय कृष्ण की लिखित दो पुस्तकों 'झारखंड के 50 क्रांतिकारी' और 'परमवीर अल्बर्ट एक्का की जीवनी' का विमोचन किया गया। पुस्तक विमोचन वरिष्ठ साहित्यकार, डॉ. अशोक प्रियदर्शी, अल्बर्ट एक्का के पुत्र विसेंट एक्का, प्रसिद्ध कथाकार, श्री राकेश कुमार सिंह, इतिहासकार, प्रो. एलएन राणा तथा दूरदर्शन के पूर्व निदेशक, पी.के. झा के हाथों संपन्न हुआ। लोकार्पण कार्यक्रम में लेखक संजय कृष्ण ने अतिथियों का स्वागत करते हुए इस पुस्तक के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि यह पुस्तक झारखंड के क्रांतिकारियों और सपूतों की जानकारी लोगों को देगी। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार, सैयद सहरोज कमर ने किया तथा प्रभात प्रकाशन रांची के मैनेजर, राजेश शर्मा ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

***साभार : दैनिक प्रभात 24.कॉम***

# सम्मान एवं पुरस्कार

### 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफ़्को साहित्य सम्मान' समारोह

31 जनवरी, 2023 को जमशेदपुर के रवींद्र भवन सभागार में आयोजित 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफ़्को साहित्य सम्मान' समारोह के अंतर्गत वरिष्ठ कथाकार, जयनंदन को खेती-किसानी, ग्रामीण जनजीवन और ग्रामीण यथार्थ पर केन्द्रित उनके व्यापक साहित्यिक अवदान को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2022 का 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफ़्को साहित्य सम्मान' प्रदान किया गया। अपने संदेश में इफ़्को के प्रबंध निदेशक, डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने जयनंदन को बधाई देते हुए कहा कि जयनंदन गहरे सामाजिक सरोकारों के रचनाकार हैं। श्री जयनंदन ने अब तक दो दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें कई कहानी-संग्रह हैं तथा नाटक और निबंध भी।

***साभार : गाँव के लोग.कॉम***

### डॉ. अर्चना प्रकाश को 'सहोदरी रत्न सम्मान'

10-11 जनवरी, 2023 को मॉरीशस में विश्व हिंदी अधिवेशन भाषा सहोदरी हिंदी न्यास एवं महात्मा गांधी संस्था, मॉरीशस के संयुक्त तत्त्वावधान में 9वें अंतर्राष्ट्रीय विश्व हिंदी अधिवेशन में लखनऊ की डॉ. अर्चना प्रकाश को 'सहोदरी रत्न सम्मान' से विभूषित किया गया। इस अधिवेशन का उद्घाटन, मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति, माननीय श्री पृथ्वीराजसिंह रूपन द्वारा किया गया। इस आयोजन में प्रख्यात लेखक, श्री रामदेव धुरंधर के हाथों डॉ. अर्चना प्रकाश को यह सम्मान प्रदान किया गया।

***साभार : इ टी.वी भारत.कॉम***

### डॉ. प्रज्ञा शर्मा को 'उत्तर साहित्य श्री सम्मान'

22 जनवरी, 2023 को मुंबई के विले पार्ले सभागार में संस्था 'अभियान' द्वारा लोक महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें लेखिका, कवयित्री, डॉ. प्रज्ञा शर्मा को साहित्य में योगदान के लिए 'उत्तर साहित्य श्री सम्मान' से सम्मानित किया गया। डॉ. शर्मा ने कई पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें गोपाल दास नीरज की अंतिम पुस्तक 'गोपाल दास नीरज की हस्तलिखित कविताएँ' नामक हस्तलिखित कविता-संग्रह तथा 'मौत का ज़िंदगीनामा' नामक काव्य-संग्रह सम्मिलित हैं।

***साभार : राष्ट्रवादी.इन***

### 'साहित्य गौरव सम्मान' एवं 'विश्व हिंदी सारस्वत सम्मान'

6 जनवरी, 2023 को वाग्देवी भवन स्थित हिंदी अध्ययनशाला में विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन की हिंदी अध्ययनशाला, पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला और गांधी अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित समारोह में अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य प्रवाह, अमेरिका द्वारा प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा को साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में किए गए विशिष्ट योगदान के लिए 'साहित्य गौरव सम्मान' से अलंकृत किया गया। साथ ही, 'प्रवासी साहित्य एवं संस्कृति : धरोहर और संवेदना' संगोष्ठी भी आयोजित की गई। अमेरिका की वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं साहित्यकार, डॉ. मीरा सिंह, फ़िलाडेल्फ़िया के मुख्य आतिथ्य में यह समारोह संपन्न हुआ। अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के प्रभारी कुलपति, प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद्, श्री गौरीशंकर दुबे एवं लघु कथाकार, श्री संतोष सुपेकर थे। कार्यक्रम में यू.एस.ए. से डॉ. मीरा सिंह को 'विश्व हिंदी सारस्वत सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा डॉ. मीरा सिंह के हाल में प्रकाशित काव्य-संग्रह 'उद्धार' का विमोचन किया गया।

***वैश्विक हिंदी परिवार के फ़ेसबुक पृष्ठ से साभार***

### डॉ. शरद पगारे को 'व्यास सम्मान'

11 जनवरी, 2023 को इंदौर प्रेस क्लब के राजेंद्र सभागार में के.के. बिड़ला फ़ाउंडेशन द्वारा आयोजित समारोह में प्रख्यात साहित्यकार, डॉ. शरद पगारे को 'व्यास सम्मान'

से अलंकृत किया गया। उनको यह सम्मान उनके उपन्यास 'पाटलिपुत्र की सामग्री' के लिए प्रदान किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रो. रेणु जैन थी। विशिष्ट अथिति बिड़ला फ़ाउंडेशन, नई दिल्ली के निदेशक, डॉ. सुरेश ऋतुपर्ण और पद्मश्री सुशील दोषी रहे। डॉ. शरद पगारे पिछले 65 साल से निरंतर साहित्य के क्षेत्र में साधनारत हैं। उनके अब तक 8 उपन्यास, 10 कथा-संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। समारोह का संचालन श्रीमती श्रुति अग्रवाल ने और आभार-ज्ञापन मातृभाषा उन्नयन संस्थान के अध्यक्ष, डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' ने किया। सम्मान समारोह में अनेक साहित्यिक व सामाजिक संगठनों के सदस्य सम्मिलित हुए।

***साभार : इंदौर स्टूडियो.कॉम***

## विश्व हिंदी साहित्य रत्न सम्मान 2023

10 जनवरी, 2023 को संगम अकादमी एवं पब्लिकेशन कोटा द्वारा 'विश्व हिंदी दिवस' के अवसर पर हरियाणा के युवा लेखक सत्यवान सौरभ एवं प्रियंका सौरभ को 'विश्व हिंदी साहित्य रत्न सम्मान 2023' से अलंकृत किया गया। उनका नाम देश भर के 75 साहित्यकारों के प्रोग्राम 'फ़ॉरएवर स्टार बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकार्ड्स' में दर्ज किया गया है। सत्यवान सौरभ की 4 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें 'यादें' - काव्य-संग्रह, 'तितली है खामोश' - दोहा-संग्रह, 'कुदरत की पीर' - निबंध-संग्रह और अंग्रेज़ी में एक पुस्तक 'इश्यूज एंड पैंस' प्रमुख हैं।

युवा लेखिका, प्रियंका सौरभ की तीन पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। इनमें 'दीमक लगे गुलाब' निबंध और आधुनिक नारी की समस्याओं से रूबरू कराने वाली 'निर्भयाएँ' सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अंग्रेज़ी में 'द फ़ीयरलेस' पुस्तक का भी प्रकाशन किया है।

***साभार : पल-पल इंडिया.कॉम***

# श्रद्धांजलि

## श्री राजुरकर राज

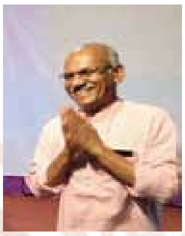

14 फ़रवरी, 2023 को दुष्यंत कुमार स्मृति पांडुलिपि संग्रहालय के संस्थापक निदेशक, रेडियो उद्घोषक और साहित्यकार, श्री राजुरकर राज का 61 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आपका जन्म 27 सितंबर, 1961 को बैतूल में हुआ था। आपने साहित्यकारों की धरोहर को सहेजने के विचार पर 'दुष्यंत कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय' का दिसंबर 1997 में स्थापना की। आपकी लेखकीय विधाएँ कविता, कहानी, लघुकथा आदि रहीं। आपने अनियतकालीन साहित्य पत्रिका 'पड़ाव' का निरंतर संपादन किया। आपने 'शब्दशिल्पी राजधानी के' - भोपाल के साहित्यकारों की डायरेक्ट्री के चार संस्करणों तथा मध्य प्रदेश के रचनाकारों की डायरेक्ट्री 'हस्ताक्षर' का प्रकाशन एवं मध्य प्रदेश के साहित्य साधकों के परिचय ग्रंथ 'सृजनधर्मी' तथा भारतीय भाषाओं के रचनाकारों की डायरेक्ट्री 'शब्दसाधक' का संपादन-प्रकाशन किया है। आपको आकाशवाणी भोपाल का 'हिंदी साधना सम्मान', मॉरीशस में समकालीन हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा सम्मान, मध्य प्रदेश लेखक संघ का 'अरविन्द चतुर्वेदी सम्मान', 'उर्वशी सम्मान' आदि प्राप्त हो चुके हैं।

***साभार : नई दुनिया.कॉम***

## डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र

7 मार्च, 2023 को हिंदी के शिक्षक, साहित्यकार और समीक्षक, डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आपका जन्म 1 जुलाई, 1936 को बलिहार गाँव में हुआ था। 'हिंदी पत्रकारिता : जातीय चेतना और खड़ी बोली', 'साहित्य की निर्माण-भूमि', 'गणेश शंकर विद्यार्थी', 'आस्था और मूल्यों का संक्रमण', 'आलोकपंथा', 'परंपरा का पुरुषार्थ', 'नेह के नाते अनेक' संस्मरण, 'कल्पतरु की उत्सव लीला' आदि आपकी मुख्य रचनाएँ हैं। आपने 'हिंदी साहित्य : बंगीय भूमिका श्रेष्ठ ललित निबंध', 'कलकता 87 नवाग्रह' तथा 'समाधि' पत्रिका का संपादन किया है। आपको 'साहित्य भूषण पुरस्कार', भारतीय ज्ञानपीठ का 'मूर्तिदेवी पुरस्कार' और भारत सरकार द्वारा 2018 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया।

***साभार : प्रभात खबर.कॉम एवं सलाम दुनिया.ऑर्ग***

## श्री लक्ष्मीनारायण रंगा

9 मार्च, 2023 को वरिष्ठ साहित्यकार, रंगकर्मी, चिंतक, संपादक एवं अनुवादक, श्री लक्ष्मीनारायण रंगा का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आपका जन्म 4 फ़रवरी, 1934 को बीकानेर में हुआ था। आप सरकारी

सेवा में भाषा अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त थे। आपने नाटक, उपन्यास, कहानी, कविता, रिपोर्ताज, फ़िल्म, धारावाहिक आदि का लेखन किया है। 'रात', 'जनता री आवाज़', 'साच', 'हम नहीं छोड़ेंगे', 'दहेज का दान', 'टमरकटूं', 'अमर शहीद', 'रक्तबीज', 'संस्कृति कला और नाटक', 'तोड़ डालो ये ज़ंजीरें' आदि आपकी प्रमुख रचनाएँ हैं। आपको राजस्थानी नाटक 'पूर्णमिदम' के लिए साहित्य अकादेमी द्वारा 'भाषा पुरस्कार' प्रदान किया गया है।

***साभार : आपाणो राजस्थान.ऑर्ग था खुलासा ऑनलाइन.कॉम***

## डॉ. वेद प्रताप वैदिक

14 मार्च, 2023 को डॉ. वेद प्रताप वैदिक का निधन हो गया। आपका जन्म 30 दिसम्बर, 1944 को इंदौर में हुआ था। आप भारतवर्ष के वरिष्ठ पत्रकार, राजनैतिक विश्लेषक, पटु वक्ता एवं हिंदी तथा भारतीय भाषाओं के अत्यन्त पक्षधर थे। भारतीय विदेश नीति के चिन्तन और संचालन में आपकी भूमिका उल्लेखनीय है। हिंदी में बेहतर पत्रकारिता का युग आरम्भ करने वालों में आपका नाम अग्रणी है। 'नवभारत टाइम्स' में पहले सह-सम्पादक, बाद में विचार विभाग के सम्पादक भी रहे। 'भारतीय विदेश नीति : नए दिशा संकेत', 'अंग्रेज़ी हटाओ : क्यों और कैसे?', 'हिंदी का सम्पूर्ण समाचार-पत्र कैसा हो?', 'वर्तमान भारत' आदि आपकी प्रमुख रचनाएँ हैं। आपको हिंदी अकादमी द्वारा सम्मान, 'रामधारी सिंह दिनकर सम्मान', 'मीडिया इण्डिया सम्मान', 2003 में सूरीनाम में 'विश्व हिंदी सम्मान', 'न्यूज़मेकर्स अचीवर्स सम्मान' आदि से विभूषित किया जा चुका है।

***साभार : विकिपीडिया***

**विश्व हिंदी सचिवालय तथा समस्त हिंदी जगत की ओर से पुण्यात्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि।**


प्रधान संपादक : डॉ. माधुरी रामधारी
संपादक : डॉ. शुभंकर मिश्र
वरिष्ठ सहायक संपादक : श्री प्रकाश वीर
सहायक संपादक : श्रीमती श्रद्धांजलि हजगैबी-बिहारी
टंकण टीम : श्रीमती त्रिशिला आपेगाडु, श्रीमती जयश्री सिबालक-रामसर्न, श्रीमती विजया सरजू, श्री नीरज कुमार, श्री अजय कुमार
पता : विश्व हिंदी सचिवालय, इंडिपेंडेंस स्ट्रीट, फ़ेनिक्स 73423, मॉरीशस
World Hindi Secretariat, Independence Street, Phoenix 73423, Mauritius

फ़ोन : (230) 660 0800
ई-मेल : info@vishwahindi.com
वेबसाइट : www.vishwahindi.com
डेटाबेस : www.vishwahindidb.com
फ़ेसबुक : www.facebook.com/groups/vishwahindisachivalay/
ट्विटर : @WHSMauritius
इंस्टाग्राम : WHS_08

# संपादकीय

## हिंदी के बढ़ते कदम

हम सब इस बात से भली-भाँति अवगत हैं कि हिंदी भाषा अपनी कई प्रकार्यात्मक भूमिकाओं में है। हिंदी हमारी राजभाषा और संपर्क की भाषा तो है ही, पर साथ-ही-साथ, यह मानवीय प्रगति के लिए अपेक्षित समस्त कार्यों को निष्पादित करने में भी पूरी तरह से समर्थ है। अतः प्रयोजनमूलक भाषा के रूप में हिंदी का भविष्य स्पष्ट और उज्ज्वल है। हिंदी भाषा एवं साहित्य का व्यापक फलक, हिंदी को जनभाषा, कामकाज की भाषा और शिक्षा के माध्यम की भाषा के रूप में उपस्थित करता है।

हिंदी के संवर्धन-परिवर्धन और इसके प्रगामी प्रयोगों को सुनिश्चित करने के लिए शासकीय स्तर पर भारत में अनेक संस्थाएँ, जैसे - गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान तथा केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो और विधि एवं कानून मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा का विधायी खंड, निरंतर अपना योगदान दे रही हैं। इस क्रम में एक महत्वपूर्ण विमर्श, जो संप्रति चल रहा है कि हिंदी को शिक्षा के माध्यम के रूप में कैसे अपेक्षाकृत सबलित-संवर्धित किया जाए ? शिक्षा के माध्यम के रूप में हिंदी को विकसित और प्रतिष्ठापित करने के लिए शासकीय स्तर पर भारत में कई संस्थाएँ, यथा– शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली, भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा आदि कार्य कर रही हैं। इस क्रम में कार्य-क्षेत्र की व्यापकता एवं आवश्यकता को देखते हुए इस बात का सहज ही अनुभव होता है कि इस दिशा में अभी हमें मीलों चलना है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि संवाद की भाषा के रूप में हिंदी विश्व की कुछ प्रमुख भाषाओं में से एक है। हिंदी न केवल भारत के एक बड़े भू-भाग में बोली जाती है अपितु वैश्विक स्तर पर भारतीय प्रवासियों की एक बड़ी आबादी, हिंदी की पहुँच और उसकी व्याप्ति के प्रति हमें आश्वस्त करता है।

कहना नहीं होगा कि मातृभाषा, जिसका संबंध प्रथमतः हमारी भावनाओं से होता है, हमारी बुनियादी ज़रूरतों की पूर्ति के क्रम में अभिव्यक्ति और अवबोधन हेतु पसंद की पहली भाषा होती है। फलतः इस दिशा में अब हम सबका यह प्रयत्न होना चाहिए कि शिक्षण-अधिगम की भाषा के रूप में हिंदी की व्याप्ति चहुँदिश कैसे बढ़ाई जाए? इस दिशा में हम स्वतंत्रता के बाद से ही प्रयासरत हैं। बुनियादी शिक्षण के क्षेत्र में शिक्षा के विविध दरकारों-सरोकारों की प्राप्ति के लिए इस विषयक कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब तलाशती महात्मा गांधी द्वारा अभिकल्पित 'नई तालीम' एक अभिनव प्रयास है, जो हमें सामाजिक, आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा देता है।

यह सुखद है कि हिंदी का संख्या बल हमारे पक्ष में है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि मातृभाषा के माध्यम से शिक्षण के इस प्रयत्न के समर्थन में ऐसे अनेक तथ्य सप्रमाण प्रस्तुत किए जाते रहे हैं, जिनका संबंध सीधे शिक्षार्थी की अवबोधन क्षमता और उसके शैक्षिक विकास से है। इस संदर्भ में शिक्षा का मनोविज्ञान यह स्पष्टतः कहता है कि शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर जब शिक्षार्थी मातृभाषा के माध्यम से पढ़ते-सीखते हैं, तो इस प्रक्रिया में भाषा-अवबोधन की कोई अड़चन न होने के कारण, शिक्षार्थियों में अवबोध कहीं अधिक सुस्पष्ट रूप से होता है।

21वीं शताब्दी के नागरिकों के लिए शिक्षा की पहुँच समता, गुणता और उनकी प्रयोजनमूलकता को सुनिश्चित किया जा सके, इस दिशा में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा-नीति 2020 का दस्तावेज़, मातृभाषा के माध्यम से शिक्षण पर अपेक्षित बल देता है, जिसका स्पष्ट लक्ष्य न केवल शिक्षार्थियों को उनके परिवेश से जोड़ना है, बल्कि उन्हें सरलतापूर्वक बुनियादी साक्षरता और अंक-ज्ञान का कौशल प्रदान करना है।

विदित ही है कि वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के विविध पक्षों को लेकर भारत सरकार और मॉरीशस सरकार की द्विपक्षीय संस्था 'विश्व हिंदी सचिवालय' की स्थापना की गई। सचिवालय का लक्ष्य, हिंदी शिक्षण-अधिगम की उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं की पहुँच एवं व्याप्ति को वैश्विक स्तर पर सुनिश्चित करते हुए संयुक्त राष्ट्रसंघ की मान्यताप्राप्त भाषा के रूप में हिंदी को प्रतिष्ठापित करना है। सुखद है कि इस दिशा में 'लाभालाभौ जयाजयौ' की परवाह किए बिना अनेक वैयक्तिक प्रयत्न भी निःस्वार्थ भाव से किए जा रहे हैं।

आलोच्य-अवधि, हिंदी केंद्रित विभिन्न गतिविधियों का केन्द्र रहा है। इन सब गतिविधियों, जिनमें, विश्व हिंदी दिवस, प्रवासी भारतीय दिवस, 2022, विश्व हिंदी सचिवालय का आधिकारिक कार्यारंभ दिवस और 12वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन आदि प्रमुख हैं। प्रस्तुत अंक में इन पर विस्तृत रिपोर्ट देखी जा सकती है। इसके अतिरिक्त, इस अंक में वैश्विक स्तर पर आयोजित हिंदी संबंधित अन्यान्य गतिविधियाँ, जो हिंदी के प्रचार-प्रसार के फलक को विस्तार हेतु समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, उनको भी यहाँ यथासंभव रूप से समेटने का प्रयत्न रहा है। ये गतिविधियाँ, निस्संदेह हिंदी-प्रेमियों की जिजीविषा की अनूठी दास्तान हैं।

हम सब प्रत्यक्षदर्शी हैं कि दिनांक 10 जनवरी, 2023 को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी के समस्त प्रवासी समाज ने एक बार फिर से यह संकल्प लिया कि वे निरंतर हिंदी की सेवा में लगे रहेंगे। विश्व हिंदी दिवस का यह अवसर 'विश्व हिंदी सचिवालय', मॉरीशस के लिए विशेषकर महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि इस अवसर पर भारत गणराज्य के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संदेश, पाथेय के रूप में हमें प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाती मॉरीशस गणराज्य की उप-प्रधान मंत्री एवं शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन जी का सान्निध्य एवं मार्गदर्शन भी सचिवालय को प्राप्त हुआ। विश्व हिंदी दिवस के इस अवसर पर सचिवालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनकी विस्तृत रिपोर्ट, यथास्थान 'विश्व हिंदी समाचार' के इस अंक में देखी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर विश्वभर में एक विशेष उत्साह देखने को मिला, जिसमें न केवल पूरे प्रवासी संसार ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, बल्कि हिंदीतर भाषा-भाषियों ने भी अपनी सदाशयता का भरपूर परिचय दिया। अमृत-काल में भारत की प्रगति के विश्वसनीय भागीदार भारतीय डायस्पोरा पर केंद्रित प्रवासी भारतीय दिवस, 2023 का आयोजन भी इसी आलोच्य अवधि में किया गया। भारत के इंदौर शहर में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रवासी साहित्यकार एवं उद्यमियों को उनके बहुआयामी योगदानों के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

हिंदी का महाकुंभ माना जाने वाला 'विश्व हिंदी सम्मेलन' का आयोजन नांदी, फ़िजी में इसी अवधि में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी के पारंपरिक ज्ञान से लेकर कृत्रिम मेधा तक हिंदी की पहुँच एवं व्याप्ति को रेखांकित करने और उसके परिवर्धन की दिशा में अपने प्रयास बढ़ाने के लिए अपेक्षित विमर्श हुआ। हिंदी को विज्ञान के माध्यम से जन जन तक तक पहुँचाने के क्रम में यह प्रयास एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ।

अस्तु ! विश्व हिंदी समाचार का यह अंक आपके इन सत्प्रयासों के प्रति समर्पित है। इस आशा और विश्वास के साथ कि 'संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्' अर्थात् एकजुटता और पूरी निष्ठा के साथ हम हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में तथैव अपना यथासंभव योगदान देते रहेंगे।

***डॉ. शुभंकर मिश्र***
***उपमहासचिव***